Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 68
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.0
सोमवार, 16 मार्च, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

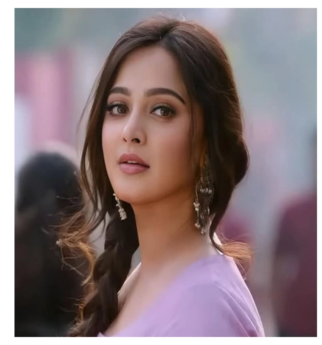

3 पुणे में 200 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बनेगा- ... 4 जैव विविधता और टिकाऊ विकास : राजमार्गों... 7 फीफा वर्ल्ड कप 2026 : प्लेऑफ के लिए ...

संक्षिप्त न्यूज

सीएपीएफ बिल के खिलाफ मिल रहा सांसदों का साथ; 23 मार्च को जंतर-मंतर पर धरना, सरकार को नोटिस

नई दिल्ली। कैबिनेट द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 को मंजूरी देने के बाद अब इसे संसद में पेश करने की तैयारी हो रही है। वहीं दूसरी तरफ, सीएपीएफ के पूर्व कैडर अफसरों ने इस विधेयक के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा सांसदों का समर्थन जुटाना शुरू कर दिया है। सांसदों को ज्ञापन दिया जा रहा है। फिलहाल नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा, तेजस्वी यादव, आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और टीएमसी सहित कई दूसरे दलों के नेताओं से संपर्क किया जा रहा है। 'एलायंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन' ने इस मामले में 23 मार्च को जंतर मंतर पर धरना देने की घोषणा की है। इस बाबत एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री कार्यालय को नोटिस दे दिया है।

सर्वोच्च अदालत का फैसला पलटने की कोशिश

बता दें कि अधिकांश नेताओं को सीएपीएफ की सुरक्षा मिली हुई है। यहां तक एसपीजी में भी ज्यादातर सुरक्षा कर्मी, सीएपीएफ से ही आते हैं। ऐसे में सुरक्षा कर्मियों से भी यह अपील की जा रही है कि वे अपने-अपने स्तर पर उक्त बिल को लेकर संबंधित नेता या नौकरशाह से बात करें। पूर्व एडीजी बीएसएफ एसके सूद बताते हैं कि केंद्र सरकार, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 के जरिए कैडर अफसरों के हितों पर कुठाराघात करना चाहती है। इनके पदोन्नति के अवसरों को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। सरकार की जब सुप्रीम कोर्ट में नहीं चली तो अब वैधानिक हस्तक्षेप के जरिए सर्वोच्च अदालत का फैसला पलटने की कोशिश की जा रही है।

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में मतदान 9 अप्रैल से शुरू होगा

बंगाल में 2 चरणों में होगा चुनाव, मतगणना 4 मई को होगी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग 15 मार्च (रविवार) को शाम 4:00 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार, मतदान 9 अप्रैल को शुरू होगा और वोटों की गिनती 4 मई को होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव एक ही चरण में 9 अप्रैल को होंगे। तमिलनाडु में मतदान 23 अप्रैल को होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में होंगे, जिसमें मतदान 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को निर्धारित है। आयोग ने बताया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

यहाँ चुनाव कार्यक्रम का पूरा विवरण दिया गया है:

1. असम - मतदान की तिथि - 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई
2. तमिलनाडु - मतदान की तिथि - 23 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई
3. पश्चिम बंगाल - मतदान की तिथि - 23 अप्रैल (पहला चरण), 29 अप्रैल (दूसरा चरण); मतगणना की तिथि - 4 मई
4. केरल - मतदान की तिथि - 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई
5. पुडुचेरी - मतदान की तिथि - 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई

इसके अलावा चुनाव आयोग ने बताया

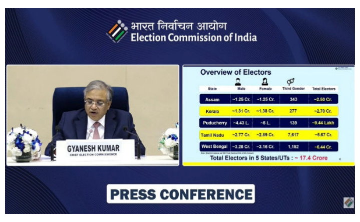

कि असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव कराने के लिए लगभग 25 लाख चुनाव अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इन कर्मियों में मतदान कर्मचारी, सुरक्षा बल और प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे, जो चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को संभालने और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि मतदान स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो।

चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव वाले पाँच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 2.19 लाख से ज़्यादा मतदान केंद्र बनाए जाएँगे। अधिकारियों ने बताया कि मतदाताओं के लिए मतदान को सुलभ और सुचारू बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। मतदान केंद्रों की यह बड़ी संख्या, अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में होने वाली इस चुनावी प्रक्रिया के विशाल पैमाने को दर्शाती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि भारत निर्वाचन आयोग, मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को मज़बूत करने के लिए, 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले चुनावों को 20 से ज़्यादा देशों के चुनाव आयोगों के प्रतिनिधि भी देखेंगे। इन प्रतिनिधियों को भारत में चुनावों के 'उत्सवपूर्ण, पारदर्शी और कुशल' संचालन को देखने के लिए आमंत्रित किया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को पाँच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के पैमाने के बारे में बताया, और इस पूरी प्रक्रिया को 'चुनावों का त्योहार' कहा। एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि इन चुनावों में 824 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 17.4 करोड़ मतदाता हिस्सा लेंगे, जिससे यह देश की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रियाओं में से एक बन जाएगा।

चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंसः ज्ञानेश कुमार ने तैयारियों के पैमाने और खास इंतज़ामों की जानकारी दी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि आने वाले विधानसभा चुनावों में सभी के लिए पहुँच और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर इंतज़ाम किए जाएँगे। साथ ही, उन्होंने मतदाताओं की विविधतापूर्ण प्रोफ़ाइल पर भी रोशनी डाली।

'मेगा गठबंधन' की आहट!

भाजपा ने सुपरस्टार विजय को दिया उपमुख्यमंत्री पद का प्रस्ताव

चेन्नई / नई दिल्ली। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 से पहले राज्य की राजनीति में बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। सूत्रों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अभिनेता से राजनेता बने विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम को गठबंधन का प्रस्ताव दिया है।

बताया जा रहा है कि भाजपा ने विजय को तमिलनाडु का उपमुख्यमंत्री पद देने का प्रस्ताव रखा है, बशर्ते आगामी विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को जीत मिलती है।

तमिलगा वेट्री कझगम को मिल सकती हैं लगभग 80 सीटें

सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित सीट बंटवारे के तहत भाजपा ने तमिलगा वेट्री कझगम को लगभग 80 विधानसभा सीटें देने का प्रस्ताव रखा है। माना जा रहा है कि चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुँच चुकी है।

यदि यह गठबंधन होता है तो तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं, क्योंकि राज्य में कई सीटों पर जीत और हार का अंतर बहुत कम रहता है और थोड़े से वोट भी परिणाम बदल सकते हैं।

मुख्यमंत्री पद पर भी नज़र

सूत्रों का कहना है कि विजय की नज़र मुख्यमंत्री पद पर भी है और यह बातचीत का एक महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है।

विजय के प्रशंसकों पर भाजपा की नज़र

भाजपा की रणनीति में विजय का बड़ा प्रशंसक वर्ग महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी नेताओं का मानना है कि यदि उनके समर्थकों का थोड़ा सा वोट भी गठबंधन के पक्ष में आता है तो कई सीटों पर चुनाव का परिणाम बदल सकता है।

नेताओं का कहना है कि तमिलनाडु में कई बार एक से दो प्रतिशत वोटों का अंतर भी जीत और हार तय कर देता है।

विजय के खेमे में चिंता

वहीं विजय के कुछ करीबी सलाहकार इस संभावित गठबंधन को लेकर चिंतित बताए जा रहे हैं।

तेलंगाना में हुई ड्रग्स पार्टी में बड़ा खुलासा, सांसद और पूर्व विधायक की रिपोर्ट आई पॉजिटिव

हैदराबाद। तेलंगाना के मोइनाबाद में एक फार्महाउस पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान यहां चल रही एक पार्टी में कथित ड्रग्स लेने के आरोप में टीडीपी सांसद पुट्टा महेश कुमार और पूर्व बीआरएस विधायक पायलट रोहित रेड्डी समेत छह लोगों को पकड़ा था।

मामले में पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रोहित रेड्डी के फार्महाउस पर ड्रग्स पार्टी हो रही है। इसके बाद ईगल फोर्स और स्थानीय पुलिस की टीमों ने मिलकर शनिवार रात वहां छापा मारा। पार्टी के दौरान वहां मौजूद एक व्यक्ति ने कथित तौर पर रिवॉल्वर से हवा में तीन राउंड गोलियां भी चलाईं।

पुलिस ने मौके पर ही पार्टी में शामिल 11 लोगों की जांच की। इसके लिए 'यूरिन ड्रग टेस्टिंग किट' का इस्तेमाल किया गया। शुरुआती जांच में पूर्व विधायक रोहित रेड्डी समेत पांच लोग ड्रग्स के लिए पॉजिटिव पाए गए। हालांकि, आंध्र प्रदेश के एलुरु से टीडीपी सांसद महेश कुमार का शुरुआती टेस्ट नेगेटिव आया था।

नियमों के अनुसार, इसके बाद सभी को अस्पताल ले जाया गया। वहां दोबारा जांच हुई तो सांसद महेश कुमार समेत कुल छह लोगों के ड्रग्स लेने की पुष्टि हुई। ईगल फोर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सांसद का यूरिन टेस्ट पहले नेगेटिव था।

भाजपा पर हमलावर सीएम स्टालिन

'केंद्र के गलत फैसलों के कारण एलपीजी की भारी कमी'

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने रविवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उनकी गलत नीतियों के कारण देश में एलपीजी सिलिंडरों की भारी कमी हो गई है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास न तो कोई स्पष्ट योजना थी और न ही समय रहते एहतियाती कदम उठाए गए, जिसकी वजह से आम लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सीएम स्टालिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्र सरकार पहले से ही अपनी विदेश नीति को लेकर फेलियर मॉडल के रूप में जानी जा रही है, और अब गलत फैसलों की वजह से देश में सिलिंडरों की गंभीर कमी पैदा हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संकट का सबसे ज्यादा असर छोटे व्यवसायों, होटल-रेस्तरां और आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एलपीजी सिलिंडरों की कमी के विरोध में डीएमके के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) ने पूरे तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन किया। इस गठबंधन में कांग्रेस, वाम दल और वीसीके जैसे दल शामिल हैं। इन पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने राज्य के कई हिस्सों में प्रदर्शन कर केंद्र सरकार से तुरंत कदम उठाने की मांग की।

सीएम स्टालिन ने कहा कि लोगों में बढ़ते गुस्से को देखते हुए केंद्र सरकार को तुरंत इस समस्या का समाधान करना चाहिए और एलपीजी की आपूर्ति सामान्य करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आम जनता और छोटे कारोबारियों को और ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण गैस की सप्लाई प्रभावित

दरअसल, 28 फरवरी के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण गैस की सप्लाई पर असर पड़ा है, जिससे देश में घरेलू और कमर्शियल दोनों तरह के एलपीजी सिलिंडरों की उपलब्धता प्रभावित हुई है।

126 सीटों के लिए 9 अप्रैल को वोटिंग, क्या सरमा बचा पाएंगे सत्ता या गोगोई करेंगे पलटवार?

गुवाहटी। चुनाव आयोग ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस कर असम समेत पांच राज्यों के चुनावी कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि असम की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई को खत्म हो रहा है, इसलिए राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समय पर पूरा किया जाएगा। असम की सभी 126 सीटों के लिए चुनावी बिगुल बज चुका है।

एक ही चरण में होगी वोटिंग, 4 मई को आएंगे नतीजे

असम में इस बार विधानसभा चुनाव केवल एक ही चरण में संपन्न होंगे। राज्य की सभी सीटों पर 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इसके बाद, वोटों की गिनती 4 मई को होगी और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस बार असम के लगभग 2.5 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 1.25 करोड़ है। सत्ता बरकरार रखने और खोई जमीन पाने की जंग

राज्य की 126 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 64 सीटों की जरूरत होती है। वर्तमान में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाले बीजेपी गठबंधन के पास 86 सीटें हैं, जो बहुमत से काफी ज्यादा है। वहीं, कांग्रेस के पास महज 22 सीटें हैं। इस बार मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। जहां बीजेपी अपनी सत्ता बचाने के लिए पूरी ताकत लगा रही है, वहीं कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के नेतृत्व में विपक्ष वापसी की उम्मीद कर रहा है।

चुनाव आयोग ने कसी कमर

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने चुनावी तैयारियों की जानकारी दी। आयोग का मुख्य फोकस शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना है। राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है और अब सभी दलों की नजरें 9 अप्रैल को होने वाली वोटिंग पर टिकी हैं।

असम के चुनावी रण में आप की एंट्री, किसका खेल बिगाड़ेंगे केजरीवाल? पहली सूची में 14 योद्धा शामिल

गुवाहटी। असम विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने रविवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने 14 नामों का ऐलान किया है, जिनमें राज्य उपाध्यक्ष अनुरुपा डेकाराजा का नाम भी शामिल है। खास बात यह है कि इस पहली लिस्ट के सभी उम्मीदवार ब्रह्मपुत्र घाटी के इलाकों से ताल्लुक रखते हैं।

प्रमुख उम्मीदवारों के नाम और सीटें

आम आदमी पार्टी के राज्य प्रभारी राजेश शर्मा द्वारा जारी की गई सूची के अनुसार, अनुरुपा डेकाराजा गुवाहाटी सेंट्रल सीट से चुनाव लड़ेंगी। वहीं, रेणुका तिमुंगपी को बोकाजान से उम्मीदवार बनाया गया है। अन्य प्रमुख नामों में अच्युत दास (नाओबोइचा), तपन गोगोई (शिवसागर), जाहिदुल इस्लाम खान (चेंगा), पल्लव सैकिया (टीटाबोर) और जिन्ना आमीर हुसैन (पूर्वी गोलपारा) शामिल हैं। 'आप' इस बार असम में बिना किसी गठबंधन के अकेले चुनाव मैदान में उतर रही है।

विधानसभा की मौजूदा स्थिति

असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है जिसके पास 64 सीटें हैं। भाजपा के सहयोगी दलों, असम गण परिषद (9), यूपीपीएल (7) और बीपीएफ (3) को मिलाकर सत्ता पक्ष काफी मजबूत है। दूसरी ओर, विपक्ष में कांग्रेस के पास 26, एआईयूडीएफ के पास 15 और माकपा का 1 विधायक है। आम आदमी पार्टी की कोशिश इस बार राज्य में अपना खाता खोलने की है।

9 अप्रैल को डाले जाएंगे वोट

असम में विधानसभा चुनाव केवल एक ही चरण में 9 अप्रैल को संपन्न होंगे। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि 20 मई को विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनावी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। राज्य के करीब 2.5 करोड़ मतदाता अपनी सरकार चुनेंगे और इस महासंग्राम के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

'मैंने पीएम मोदी की जाति पर टिप्पणी नहीं की थी', कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने बयान पर दी सफाई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित जातिवादी टिप्पणी करने के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियां प्रधानमंत्री की जाति के लिए नहीं, बल्कि उनके चरित्र के लिए थीं। अय्यर ने अपने पुराने विवादित बयान पर सफाई देते हुए कहा, उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया। अय्यर के अनुसार, प्रधानमंत्री ने इस बयान को जाति से इसलिए जोड़ा क्योंकि अय्यर खुद एक ब्राह्मण हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बयाने पर दी सफाई

उन्होंने 'चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री नहीं बन सकता' वाले बयान पर भी अपनी बात रखी। अय्यर ने कहा कि उन्होंने ऐसा कभी नहीं कहा। उन्होंने बताया कि उनकी आलोचना मोदी के 'इतिहास के कम ज्ञान' को लेकर थी। अय्यर के अनुसार, उन्होंने यह सवाल उठाया था कि कोई ऐसा व्यक्ति, जिसे उनकी नजर में कुछ ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी नहीं है, वह उस भूमिका (प्रधानमंत्री की) में कैसे हो सकता है, जिसमें जवाहरलाल नेहरू थे।

चाय वाले बयान पर दी सफाई

अय्यर ने बताया कि उन्होंने मजाक में कहा था कि अगर मोदी चुनाव हार जाते हैं, तो उनके लिए चाय बांटने का इंतजाम किया जा सकता है। उन्होंने मोदी के वडनगर रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने के दावे पर भी सवाल उठाए। अय्यर ने दावा किया कि 1973 तक वडनगर में कोई रेलवे प्लेटफॉर्म ही नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे भ्रामक दावों ने मोदी को प्रधानमंत्री बनने में मदद की। अंग्रेजी बोलने पर खुद को 'मैकाले की संतान' कहे जाने पर भी अय्यर ने पलटवार किया। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी को तमिल भाषा आती है? इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुस्लिमों के बारे में की गई टिप्पणियों ने देश में सांप्रदायिक बंटवारे को बढ़ावा दिया है।

चुनाव से पहले कर्मचारियों-पेंशनभोगियों को तोहफा, इस वर्ष मार्च महीने से बकाया चुकाएगी ममता सरकार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को बड़ा एलान करते हुए कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के बकाया महंगाई भत्ते (डीए) का भुगतान मार्च 2026 से शुरू करेगी। इस फैसले का फायदा शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, नगर निकाय और पंचायत कर्मचारियों के साथ-साथ अनुदान प्राप्त संस्थानों के कर्मचारियों को भी मिलेगा।

सीएम ममता ने एक्स पर दी जानकारी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि कर्मचारियों को आरओपीए 2009 के तहत मिलने वाला डीए का बकाया मार्च 2026 से किस्तों में दिया जाएगा। राज्य के वित्त विभाग ने इसके लिए जरूरी अधिसूचना भी जारी कर दी है, जिसमें भुगतान की प्रक्रिया और तरीके की जानकारी दी गई है।

कई वर्षों से कर्मचारी और पेंशनर्स की प्रमुख मांग

यह मुद्दा पिछले कई वर्षों से राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों की प्रमुख मांग रहा है। आरओपीए 2009 यानी वेतन और भत्तों का संशोधन 2009 के तहत कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में संशोधन किया गया था, लेकिन लंबे समय से महंगाई भत्ते के बकाया भुगतान को लेकर विवाद चल रहा था।

कुछ कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था

इस मामले को लेकर राज्य सरकार के कुछ कर्मचारियों ने सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने इस पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया कि 31 मार्च 2026 तक कर्मचारियों को डीए के बकाया का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा जारी किया जाए।

मुख्यमंत्री का यह एलान ऐसे समय आया है जब राज्य में विधानसभा चुनावों की घोषणा होने वाली है। इससे कुछ समय पहले ही ममता बनर्जी ने पुजारियों और मस्जिदों में अजान देने वाले मुअज्जिनों के मानदेय में भी बढ़ोतरी का एलान किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले कर्मचारियों और कई समुदायों को साधने के लिए सरकार लगातार बड़े फैसले ले रही है।

बारामती उपचुनाव पर अजित दादा को याद कर रोहित पवार हुए भावुक, कहा- सपने में भी नहीं सोचा था

दिव्यांश

मुंबई। महाराष्ट्र की बारामती सीट पर उपचुनाव को लेकर तारीखों का ऐलान कर दिया गया है. महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन से ये सीट खाली हुई थी. चुनाव आयोग की घोषणा के बाद शरद गुट के नेता रोहित पवार ने अजित पवार को याद करते हुए सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट किया है. उन्होंने कहा कि कभी किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि यहां उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ेगी.

एनसीपी के विधायक रोहित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''बारामती विधानसभा क्षेत्र में, जहां सिर्फ जीत के अंतर की चर्चा होती थी, किसी ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि वहां उपचुनाव कराना पड़ेगा, लेकिन दुर्भाग्य से, अजित दादा हमें छोड़कर चले गए हैं और आज बारामती विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव की घोषणा हो गई है. कभी-कभी हकीकत कल्पना से भी ज्यादा भयावह होती है.''

बारामती सीट पर कब है वोटिंग?

भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार (15 मार्च) को महाराष्ट्र की दो सीटों राहुरी और बारामती विधानभा सीट पर उपचुनाव के लिए तारीखों की घोषणा की है. इनमें राहुरी सीट बीजेपी के विधायक रहे शिवाजी कर्डीले और बारामती सीट अजित पवार के निधन की वजह से खाली हुई. यहां दोनों

सीटों पर उपचुनाव के लिए 23 अप्रैल को वोटिंग होगी और 4 मई को नतीजे घोषित होंगे.

राहुरी और बारामती उपचुनाव को लेकर कार्यक्रम

30 मार्च 2026 को अधिसूचना जारी होगी

6 अप्रैल को नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख

7 अप्रैल नामांकन पत्रों की जांच की आखिरी तारीख

9 अप्रैल 2026 तक प्रत्याशी नाम ले सकते हैं वापस

23 अप्रैल 2026 को वोटिंग होगी

4 मई 2026 को उपचुनाव के नतीजे आएंगे

रोहित पवार ने राहुल गांधी से की थी मुलाकात

शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार ने 12 मार्च को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की थी. इस दौरान बारामती विमान हादसे की जांच पर गंभीर चिंता जताई थी. रोहित पवार ने बताया था कि अलग-अलग सोर्स से मेहनत से इकट्ठा किए गए सबूतों का एक डिटेल्ड डोजियर उन्हें सौंपा. साथ ही राहुल गांधी से इस मुद्दे को लोकसभा में उठाने और निष्पक्ष जांच की मांग करने का आग्रह भी किया था.

रोहित पवार कई बार उठा चुके हादसे की जांच पर सवाल

रोहित पवार बारामती हादसे के बाद कई बार इसकी जांच को लेकर सवाल उठा चुके हैं. वो इस हादसे को महज दुर्घटना नहीं मानते हैं. उन्होंने इस हादसे को लेकर कई बार साजिश का आरोप लगाया है. शरद पवार गुट के नेता ने कंपनी वीएसआर वेंचर्स और डीजीसीए अधिकारियों को बचाने की कोशिश का भी दावा किया है. बता दें कि 28 जनवरी 2026 को हुए विमान हादसे में अजित पवार, उनके पीएसओ विदिप जाधव, दो पायलट और एक केबिन क्रू सदस्य की मौत हो गई थी. जिसके बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का डिप्टी सीएम बनाया गया था.

रतलाम मंडल ने बिलड़ी से न्यू उधना तक सुपर-क्रैक लॉन्ग हॉल कंटेनर ट्रेन का 7 घंटे से कम समय में सफल परिचालन कर रचा इतिहास

रतलाम। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने रेलवे के इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए दिनांक 13 मार्च 2026 को बिलड़ी से न्यू उधना तक सबसे तेज सुपर-क्रैक लॉन्ग हॉल कंटेनर ट्रेन का सफलतापूर्वक संचालन किया।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह उपलब्धि रतलाम मंडल की उच्च स्तरीय परिचालन दक्षता, बेहतर संसाधन प्रबंधन, समय एवं मानव संसाधनों की बचत तथा माल परिवहन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि का प्रमाण है। बिलड़ी से न्यू उधना तक सुपर-क्रैक लॉन्ग हॉल कंटेनर ट्रेन मात्र 6 घंटे 55 मिनट में न्यू उधना पहुँची। इस दौरान ट्रेन की औसत गति 54.97 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जो रेलवे की लॉजिस्टिक्स दक्षता एवं तकनीकी उत्कृष्टता को दर्शाती है।

रतलाम मंडल द्वारा इससे पूर्व भी 08 जनवरी 2026 को बिलड़ी से उधना तक मंडल की पहली लॉन्ग हॉल कंटेनर ट्रेन का सफल संचालन किया गया था। इसके पश्चात 10 जनवरी 2026 को दूसरी लॉन्ग हॉल ट्रेन वटवा से बकानियां भौरी के मध्य सफलतापूर्वक चलाई गई। इस प्रकार रतलाम मंडल ने लॉन्ग हॉल कंटेनर ट्रेनों के सफल परिचालन की दिशा में यह तीसरी महत्वपूर्ण उपलब्धि

प्राप्त की है।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि पश्चिम रेलवे, विशेष रूप से रतलाम मंडल की नवाचार-प्रधान सोच, परिचालन उत्कृष्टता तथा माल परिवहन को अधिक सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिससे राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

मध्य रेल के श्री मोहम्मद शम्स, टीटीआई, मुंबई मंडल के पहले करोड़पति बने- टिकट चेकिंग से कमाई में 1 करोड़ का आंकड़ा पार किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई मंडल के ओपन डिटेल बैच के ट्रैवलिंग टिकटिंग इंस्पेक्टर श्री मोहम्मद शम्स चंद ने वित्त वर्ष 2025-26 में टिकट चेकिंग से कमाई में 1 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। श्री मोहम्मद शम्स ने वित्त वर्ष 2025-26 (दिनांक 01.04.2025 से दिनांक 15.03.2026 तक) में 11,483 मामलों का पता लगाकर 1,00,38,505/- रुपये की टिकट चेकिंग से कमाई दर्ज की और चालू वित्त वर्ष में यह उपलब्धि हासिल करने वाले मध्य रेल के पहले टिकट चेकिंग कर्मी बन गए। उनका समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन वास्तव में सराहनीय है और इससे रेलवे को राजस्व हानि की एक महत्वपूर्ण राशि बचाने में योगदान मिला है। उनकी उपलब्धियों ने टिकट चेकिंग समुदाय की प्रतिष्ठा को वास्तव

में बढ़ाया है और दूसरों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण स्थापित किया है। मध्य रेल यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे अधिकृत विक्रेताओं द्वारा जारी वैध टिकटों के साथ, रेलवे स्टेशन के बुकिंग काउंटरों से, एटीवीएम के माध्यम से या वेबसाइट http://www.irctc.co.in के माध्यम से टिकट बुक करके यात्रा करें। यात्री अपने मोबाइल फोन पर रेल वन ऐप डाउनलोड करके भी टिकट बुक कर सकते हैं।

रेलवे बिना टिकट यात्रा के प्रति अपनी सख्त नीति को दोहराता है और यात्रियों को आरामदायक और सम्मानजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुरक्षित यात्रा करें, जिम्मेदारी से यात्रा करें, सम्मान के साथ यात्रा करें

अहमदाबाद मंडल के डीआरएम वेद प्रकाश ने साबरमती स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का किया निरीक्षण

अहमदाबाद : पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश ने अधिकारियों की टीम के साथ साबरमती रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में जारी निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।

इस दौरान साबरमती स्टेशन के पुनर्विकास से जुड़े कार्यों में गर्डर और ट्रेस लांचिंग की योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही ट्रेन संचालन और आवश्यक ब्लॉक व्यवस्था के बारे में भी विचार-विमर्श किया गया। निरीक्षण के समय निर्माण विभाग के मुख्य परियोजना प्रबंधक डी.आर. चौधरी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएँ

साबरमती स्टेशन के पुनर्विकास के बाद

कॉन्कोर्स क्षेत्र में विशाल प्रतीक्षालय और फूड प्लाज़ा जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, जिससे यात्रियों को बेहतर आराम और खानपान की सुविधा मिल सकेगी।

कॉन्कोर्स क्षेत्र का आकार लगभग 110 × 36 वर्गमीटर होगा।

हाई-रूफ का आकार 122 × 171 मीटर तथा 88 × 110 मीटर होगा। इससे लगभग 30,542 वर्गमीटर क्षेत्र ट्रैकों के ऊपर कवर होगा।

यह छत प्लेटफॉर्म से लगभग 65 फीट की ऊंचाई पर स्थापित की जा रही है।

यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध

स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत यात्रियों की सुविधा के लिए

20 लिफ्ट

20 एस्केलेटर

20 सीढ़ियाँ

लगाई जाएंगी, जिससे यात्रियों की आवाजाही अधिक सुगम होगी।

डीआरएम वेद प्रकाश ने यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए स्टेशन पर विकसित की जा रही आधुनिक यात्री सुविधाओं, स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म क्षेत्र और अन्य बुनियादी ढांचे का भी अवलोकन किया।

उन्होंने निर्माण एजेंसियों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि यात्रियों को जल्द ही बेहतर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

'यूपी में बदलेगा बुलडोजर ड्राइवर...बंगाल में हारेगी बीजेपी '-सपा मुखिया अखिलेश यादव का बड़ा दावा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार (15 मार्च) को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला. उन्होंने दावा किया कि अगले महीने पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ेगा और ममता बनर्जी एक बार फिर से मुख्यमंत्री पद पर काबिज होंगी.

अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती के साथ 'इंडिया' गठबंधन के साथ खड़ी है. उन्होंने कहा कि सपा असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में गठबंधन के सहयोगी दलों का समर्थन करेगी. असम में एक सीट की मांग पर उन्होंने कहा, 'अगर हमें सीट नहीं भी मिलती है, तब भी हमारा समर्थन 'इंडिया' गठबंधन को ही रहेगा.'

चुनाव आयोग से निष्पक्षता की अपील

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से इन चार राज्यों में स्वतंत्र

और निष्पक्ष चुनाव कराने की अपील की. उन्होंने नसीहत देते हुए कहा कि चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली बनकर न रह जाए. बंगाल के मतदाताओं की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की जनता राजनीतिक रूप से जागरूक है और वे केंद्र के भेदभाव को नहीं भूलेंगे.

यूपी में 'बुलडोजर चालक' बदलने का दावा

उत्तर प्रदेश की राजनीति का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बड़ा दावा किया. उन्होंने कहा कि यूपी में जल्द ही 'बुलडोजर चालक' बदलेगा और वे योगी आदित्यनाथ की जगह मुख्यमंत्री बनेंगे. साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि अगर सपा सत्ता में आती है, तो इटावा में 1,000 एकड़ क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित एक विशाल पार्क विकसित किया जाएगा.

पीएम मोदी पर कसा तंज

प्रेस कॉन्फ्रेंस के आखिर में अखिलेश यादव ने हल्के-फुल्के अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर तंज कसा. उन्होंने कहा कि पिछले महीने जब पीएम मोदी इजराइल की यात्रा से लौट रहे थे, तो उन्हें ईरान में रुकना चाहिए था. अखिलेश के मुताबिक, अगर पीएम मोदी पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को रुकवा देते, तो उनके पास सही मायनों में 'विश्वगुरु' बनने का मौका था, जो उन्होंने गंवा दिया.

मुंबई में अधिकारी बनकर बसों से मोबाइल चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 2 शातिर गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दफ्तर जाने वाले अधिकारी बनकर बस यात्रियों को अपना शिकार बनाने वाले एक शातिर मोबाइल चोर गिरोह का मुंबई की बांगुर नगर पुलिस ने पर्दाफाश किया है. पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनसे पूछताछ में आधा दर्जन से ज्यादा मोबाइल चोरी की वारदातों का खुलासा हुआ है.

बांगुर नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रविंद्र आव्हाड ने बताया कि 28 फरवरी 2026 की सुबह करीब 8:30 से 8:45 बजे के बीच गोरेगांव पश्चिम स्थित ओशिवारा बस डिपो से चलने वाली बस नंबर 464 में एक महिला यात्री के पर्स से रेडमी मोबाइल चोरी होने की शिकायत मिली थी.

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की. घटनास्थल और बस स्टैंड के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पुलिस को संदिग्धों का सुराग मिला, जिसके बाद उनके ठिकानों पर दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया.

हाथ में फाइल लेकर करते थे चोरी

पूछताछ में इस गैंग के काम करने का अनोखा और शातिर तरीका सामने आया है. पुलिस के मुताबिक, गैंग के सदस्य मोबाइल चोरी करने से पहले हाथ में

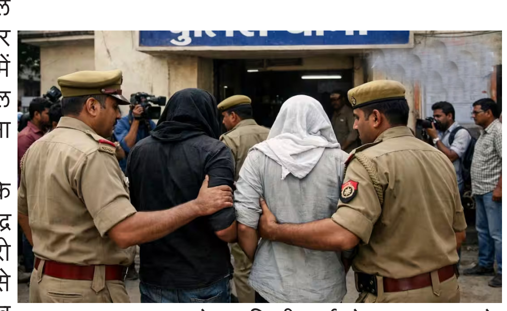

एक फाइल लेकर किसी हाई-प्रोफाइल अधिकारी की तरह बस स्टैंड पर खड़े रहते थे. जैसे ही कोई महिला या यात्री बस में चढ़ने लगता, फाइल पकड़ा हुआ आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर बड़ी सफाई से मोबाइल निकाल लेता और तुरंत अपने पीछे खड़े दूसरे साथी को थमा देता था. वारदात को अंजाम देने के बाद वह खुद एक सामान्य नागरिक की तरह वहीं खड़ा रहता था, ताकि किसी को उस पर शक न हो.

आरोपियों का लंबा आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस ने इस मामले में जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनकी पहचान इस प्रकार है. श्रीकांत प्रविणचंद्र दामानी (55 वर्ष): निवासी मालाड पश्चिम, आलम नजीर खान (40 वर्ष): मूल निवासी उत्तर प्रदेश

जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी श्रीकांत दामानी एक आदतन अपराधी है. उसके खिलाफ मुंबई के डी.बी. मार्ग, बोरीवली, भोईवाड़ा, डिंडोशी, मेघवाड़ी, कांदिवली, पायधुनी और बांगुर नगर पुलिस स्टेशनों के साथ-साथ बोरीवली रेलवे पुलिस में भी चोरी के कई आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं.

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में बांगुर नगर पुलिस की क्राइम टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है. फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, ताकि मुंबई में उनके द्वारा की गई अन्य मोबाइल चोरी की घटनाओं का भी पता लगाया जा सके.

'शायद भाजपा के कार्यालय में....

पाँच राज्यों में चुनाव की घोषणा से पहले संजय राउत का चुनाव आयोग पर तंज

मुंबई। पाँच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा से पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने चुनाव आयोग पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता शायद भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में भी हो सकती है।

संजय राउत ने कहा कि आज का चुनाव आयोग भाजपा की विस्तारित शाखा की तरह काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि चुनाव आयोग भाजपा के दिल्ली मुख्यालय में अपनी प्रेस वार्ता करे तो भी उन्हें आश्चर्य नहीं होगा।

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है और आयोग के अधिकारी भाजपा के दबाव में काम कर रहे हैं।

चुनाव आयोग की प्रेस वार्ता

भारतीय निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा के लिए शाम चार बजे संवाददाता सम्मेलन बुलाया है। इन राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल मई और जून में अलग-अलग तिथियों पर समाप्त हो रहा है।

मतदाताओं की सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत चार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की अंतिम मतदाता सूचियाँ भी प्रकाशित कर दी गई हैं।

पिछले चुनावों का विवरण

पश्चिम बंगाल में पिछली बार विधानसभा चुनाव आठ चरणों में हुए थे। 2 मार्च 2021 को अधिसूचना जारी होने के बाद 27 मार्च से 29 अप्रैल तक मतदान हुआ था और 2 मई 2021 को परिणाम घोषित किए गए थे, जिसमें तृणमूल कांग्रेस को जीत मिली थी। राज्य में कुल 294 विधानसभा सीटें हैं।

तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए पिछली बार 12 मार्च 2021 को अधिसूचना जारी हुई थी और 6 अप्रैल 2021 को एक ही चरण में मतदान हुआ था। इसी दिन 140 सदस्यीय केरल विधानसभा और 30 सदस्यीय पुडुचेरी विधानसभा के लिए भी मतदान कराया गया था।

भिवंडी में अवैध गैस सिलेंडरों के जखीरे पर छापेमारी, एलपीजी संकट के बीच बड़ी कार्रवाई

भिवंडी से एक बड़ी खबर सामने आ रही है जहाँ प्रशासन ने अवैध गैस भंडारण के खिलाफ एक बड़ी स्ट्राइक की है. शहर के रिहायशी इलाके में मौत का सामान इकट्ठा किया जा रहा था, जिसे राशनिंग विभाग की टीम ने समय रहते जब्त कर लिया है. मिली जानकारी के मुताबिक भिवंडी तालुका के वालपाडा स्थित वर्धमान टॉवर में ये कार्रवाई की गई है. ठाणे (राशनिंग) विभाग के 'फ' परिमंडल की भरारी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यहाँ छापेमारी की.

छापेमारी में मौके पर क्या मिला?

छापेमारी के दौरान टीम की आंखें फटी रह गईं. जब रिहायशी इमारत में भारी मात्रा में गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण किया गया था. इसमें भारत गैस, एचपी गैस, गो गैस और गैस-1 जैसी नामी कंपनियों के सिलेंडर शामिल थे. टीम ने मौके से घरेलू (अदसूग्म) और कमर्शियल, दोनों ही श्रेणियों के सिलेंडर

बरामद किए हैं.

कालाबाजारी का बड़ा खेल!

अमेरीका- इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग के कारण समुद्री रास्ते में ईंधन न पहुंचने के कारण भारत जो की दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, वहां रोजाना उपभोग के कारण गैस वितरण प्रणाली में परेशानी हो रही है. यही वजह है कि अब लोगों ने इसकी होर्डिंग कर ब्लैक मार्केटिंग करना शुरू कर दिया है. जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इन सिलेंडरों को जमा करके ऊंचे दामों पर कालाबाजारी (र्ल्मे ईवूग्ह) के लिए बेचने की तैयारी थी. घनी आबादी वाले इलाके में इस तरह अवैध रूप से सिलेंडरों को रखना किसी बड़े हादसे को दावत देने जैसा था.

इस छापेमारी पर अधिकारी ने क्या कहा?

इस मामले में कार्रवाई करते हुए शिधावाटप राशनिंग विभाग ने सारा स्टॉक जब्त कर लिया है. पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे फिलहाल पूछताछ जारी है. प्रशासन अब इस बात की जांच कर रहा है कि इन सिलेंडरों की सप्लाई चेन कहाँ से जुड़ी है. भिवंडी में हुई इस कार्रवाई ने एक बार फिर गैस माफियाओं की कमर तोड़ दी है. देखना यह होगा कि इस मामले में और कितने बड़े नाम सामने आते हैं.

पुणे में 200 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बनेगा- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे। पुणे मेट्रो परियोजना ने शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बड़ा बढ़ावा दिया है और पुणेकरों ने मेट्रो सेवा को उत्साहपूर्वक अपनाया है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 2.5 लाख यात्री मेट्रो से यात्रा कर रहे हैं।

भविष्य में पुणे महानगरपालिका, पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका और पीएमआरडीए क्षेत्र को मिलाकर लगभग 200 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क विकसित करने की योजना है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि तेजी से हो रहे शहरी विकास को देखते हुए उन्होंने पुणे मेट्रो और शहरी विकास विभाग को इस पूरे नेटवर्क की विस्तृत योजना तुरंत तैयार करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने इसके लिए आवश्यक धन उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया।

मुख्यमंत्री यह बात पुणे शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और मजबूत करने वाले 'मेट्रो भवन', जो कि पुणे मेट्रो परियोजना का प्रशासनिक मुख्यालय है, के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं पुणे के पालकमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल, शहरी विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल, पुणे की महापौर मंजुषा नागपुरे, सांसद मेधा कुलकर्णी, विधायक योगेश टिलेकर, भीमराव तापकीर, सुनील कांबले, हेमंत रसने, बापू पठारे, शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव असीम गुप्ता, पुणे मंडल आयुक्त डॉ. चंद्रकांत पुलकुंडवार तथा महामेट्रो के प्रबंध निदेशक श्रवण हर्डीकर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि शुरुआत में कुछ कठिनाइयों के कारण पुणे मेट्रो परियोजना का काम देर से शुरू हुआ, लेकिन गति मिलने के बाद इसे बहुत तेजी से पूरा किया गया। आज पुणे मेट्रो देश में सबसे तेजी से पूर्ण होने वाली मेट्रो परियोजनाओं में से एक मानी जाती है। मेट्रो स्टेशनों के आधुनिक डिजाइन, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, यात्री सुविधाएं और अत्याधुनिक तकनीकी प्रणालियों सहित हर पहलू में उत्कृष्ट योजना बनाई गई है।

वर्तमान में पुणे शहर में लगभग 33 किलोमीटर मेट्रो लाइन चालू है। इसके अलावा टाटा समूह के सहयोग से सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत 23 किलोमीटर की मेट्रो परियोजना का कार्य अंतिम चरण में है। इसमें से 12 किलोमीटर का उद्घाटन मई में और शेष 11 किलोमीटर जुलाई में शुरू करने की योजना है। इन दोनों परियोजनाओं के बाद पुणे में कुल मेट्रो नेटवर्क लगभग 56 किलोमीटर तक पहुंच जाएगा।

इसके अलावा 55 किलोमीटर पर कार्य जारी है और लगभग 80 किलोमीटर के विस्तार का प्रस्ताव भी है। भविष्य में पुणे महानगरपालिका, पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका और पीएमआरडीए क्षेत्रों को जोड़ते हुए करीब 200 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क विकसित करने की योजना है।

तेजी से हो रहे शहरी विकास को देखते हुए मुख्यमंत्री ने महामेट्रो प्रशासन को निर्देश दिया कि पूरे 200 किलोमीटर नेटवर्क की विस्तृत योजना तुरंत तैयार की जाए, सभी मार्गों की डीपीआर एक साथ बनाई जाए और भविष्य के विकास केंद्र, नए हवाई अड्डे, औद्योगिक क्षेत्र तथा बढ़ते उपनगरों को ध्यान में रखते हुए मेट्रो नेटवर्क विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार भविष्य में जमीन, हवा और भूमिगत मार्गों के माध्यम से परिवहन प्रणाली विकसित कर पुणे को ट्रैफिक जाम से मुक्त और टिकाऊ शहर बनाने का प्रयास कर रही है।

अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 'मेट्रो भवन' - उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने कहा कि मेट्रो भवन केवल प्रशासनिक मुख्यालय नहीं, बल्कि आधुनिक पुणे की प्रगति का प्रतीक है। अत्याधुनिक इंजीनियरिंग और सुव्यवस्थित योजना से निर्मित यह भवन पुणे के प्रशासनिक गौरव में महत्वपूर्ण योगदान देगा। उन्होंने पुणे मेट्रो के लिए स्वर्गीय उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा किए गए कार्यों को भी याद किया।

मूला-मुठा नदी के किनारे बने इस भवन को पर्यावरण-अनुकूल तरीके से विकसित किया गया है। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ राज्य के महत्वपूर्ण विकास केंद्र हैं, इसलिए यहां बढ़ती आबादी के कारण परिवहन व्यवस्था पर काफी दबाव बढ़ गया था। इस पृष्ठभूमि में महायुति सरकार ने रिंग रोड, चौड़ी सड़कें, सर्विस रोड, सबवे, पुल और मेट्रो जैसी प्रमुख परियोजनाओं के माध्यम से ट्रैफिक कम करने के ठोस कदम उठाए हैं।

महत्वपूर्ण मेट्रो मार्ग जैसे स्वारगेट-कात्रज, पिंपरी-चिंचवड़-भक्तिशक्ति चौक, वनाज-चांदनी चौक, रामवाड़ी-वाघोली, खड़कवासला-खराड़ी, वारजे-नलस्टॉप, हडपसर-सासवड और हडपसर-लोनी कालभोर को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। साथ ही भविष्य में पुणे हवाई अड्डे और चाकण एमआईडीसी को भी मेट्रो से जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत में महामेट्रो के प्रबंध निदेशक श्रवण हर्डीकर ने पुणे मेट्रो परियोजना और मेट्रो भवन में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी।

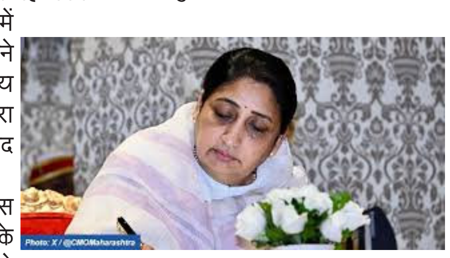

मेट्रो भवन, पुणे - मुख्य विशेषताएँ

कुल क्षेत्रफल लगभग 8150 वर्ग मीटर

भव्य स्वागत कक्ष और पुणे की सांस्कृतिक विरासत दर्शाने वाली कला स्थापना

एक्सपीरियंस सेंटर में पुणे मेट्रो नेटवर्क और परियोजना के मॉडल

312 सीटों का ऑडिटोरियम तथा बैकअप ऑपरेशनल कंट्रोल सेंटर, सिग्नलिंग और दूरसंचार सुविधाएं ।कांच की बाहरी संरचना से प्राकृतिक प्रकाश, ऊर्जा दक्ष और पर्यावरण-अनुकूल डिजाइन।

राहुरी और बारामती विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव की घोषणा

मतदान 23 अप्रैल को, मतगणना 4 मई 2026 को होगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के छह राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की है। इनमें महाराष्ट्र की राहुरी (अहिल्यानगर जिला) और बारामती (पुणे जिला) विधानसभा सीटें भी शामिल हैं।

राहुरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक शिवाजी भानुदास कर्डिले तथा बारामती विधानसभा क्षेत्र के विधायक अजित अनंतराव पवार के निधन के कारण ये दोनों सीटें रिक्त हुई थीं। इन्हीं सीटों के लिए यह उपचुनाव कराया जाएगा।

निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार मतदान के लिए सभी मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट का उपयोग किया जाएगा। मतदाताओं की पहचान के लिए मतदाता फोटो पहचान पत्र मुख्य प्रमाण होगा। इसके अलावा आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, बैंक या डाकघर पासबुक, मनरेगा जॉब कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड जैसे दस्तावेज भी मान्य होंगे।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होते ही राहुरी और बारामती विधानसभा क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तुरंत लागू हो गई है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रचार के दौरान आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों की जानकारी उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को तीन बार प्रकाशित करना अनिवार्य होगा।

चुनाव कार्यक्रम

30 मार्च 2026 (सोमवार) - राजपत्र अधिसूचना जारी

6 अप्रैल 2026 (सोमवार) - नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि

7 अप्रैल 2026 (मंगलवार) - नामांकन पत्रों की जांच

9 अप्रैल 2026 (गुरुवार) - नाम वापस लेने की अंतिम तिथि

23 अप्रैल 2026 (गुरुवार) - मतदान

4 मई 2026 (सोमवार) - मतगणना और परिणाम घोषणा

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि पूरा चुनावी प्रक्रिया 6 मई 2026 (बुधवार) तक पूरी कर ली जाएगी। साथ ही आयोग ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों को उपचुनाव की तैयारियां पूरी करने तथा आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मियागाम - डभोई - प्रतापनगर डेमू सेवा के ट्रायल रन को माननीय सांसद श्री मनसुखभाई वसावा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने दिखाई हरी झंडी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा आज,15 मार्च, 2026 को मियागाम - डभोई - प्रताप नगर डेमू सेवा का ट्रायल रन किया गया। इस डेमू ट्रेन के ट्रायल रन को मियागांव स्टेशन से माननीय सांसद मनसुख भाई वसावा एवं माननीय विधायक श्री अक्षय पटेल तथा वापसी में डभोई स्टेशन से माननीय विधायक शैलेश भाई मेहता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। माननीय जनप्रतिनिधियों ने यात्रियों की इस बहुप्रतीक्षित मांग के पूरा होने पर रेलवे की सराहना की।

मियागम स्टेशन पर आयोजित समारोह में माननीय सांसद मनसुख भाई वसावा ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे के सौंदर्यीकरण के लिए किये जा रहे कार्य की सराहना करते हुए सभी से स्वच्छता को अपनाने की अपील की।उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में अपने योगदान के लिए सभी से सहयोग की अपील की। माननीय विधायक अक्षय पटेल ने अपने उद्बोधन में

रेलवे द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। माननीय विधायक शैलेशभाई मेहता ने डभोई में आयोजित समारोह में रेलवे के प्रयासों की सराहना करते हुए मुंबई जाने वाली ट्रेनों के डभोई में स्टापेज़ और बुकिंग की मांग की।

मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने डभोई और मियागाम के बीच डेमू ट्रेन के ट्रायल रन के अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि

माननीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी के निर्देशानुसार एवं माननीय महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में डभोई स्टेशन पर दो नये प प्लेटफार्म का निर्माण किया जा रहा है इस पर एकता नगर और मुंबई के बीच चलने वाली ट्रेनों को स्टॉपेज दिया जाएगा।

श्री भडके ने डभोई - मियागाम सेक्शन के बारे में बताया कि भारतीय रेलवे के इतिहास में इस क्षेत्र का एक खास स्थान है। 32.306 किलोमीटर लंबी मियागांव डभाई लाइन बडोदरा मंडल का सबसे पुराना नैरोगेज गेज़ सेक्शन है, जिसे असल में 1862 में गायकवाड बडौदा स्टेट रेलवे के तहत काम करना शुरू किया था, बाद में यह पश्चिम रेलवे का हिस्सा बन गया और कई दशकों तक इस क्षेत्र की सेवा करता रहा। इस सेक्शन को तेज़ बदलने के लिए बंद कर दिया गया और ब्रॉड गेज में बदलने के बाद यात्री सेवा का ट्रायल किया जा रहा है।

श्री भडके ने आगे बताया कि इस क्षेत्र पर ट्रेन सेवा शुरू होने के बाद रोजाना आने जाने वाले यात्रियों छात्रों व्यापारियों और आसपास के इलाकों के निवासियों को तेज भरोसेमंद और किफायती परिवहन मिलने से बहुत फायदा होगा साथ ही क्षेत्रीय कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी जो इस क्षेत्र के समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दे देगी। अपनी नियमित सेवा में यह ट्रेन मियागाम करजन और प्रताप नगर के? बीच वाया डभोई परिचालित होगी।

तिलकनगर में नाबालिग से गैंगरेप, राशन कार्ड में नाम जुड़वाने का दिया था झांसा, 2 गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई के तिलकनगर इलाके में एक नाबालिग के साथ बड़े अपराध की गंभीर घटना सामने आई है. जहां राशन कार्ड में नाम जुड़वाने के लिए मदद मांगने गई एक किशोरी के साथ आरोपियों ने जो कि किशोरी के परिचित थे उन्होंने गैंगरेप

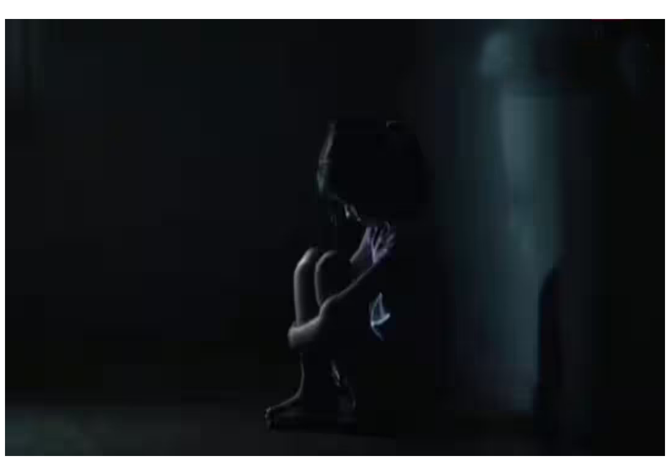

किया. यह घटना पिछले महीने घटी लेकिन इसका खुलासा अब हुआ जब पीड़िता ने अब हिम्मत दिखाई.

तिलकनगर पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान नूरुद्दीन आफताब अजीमुद्दीन सैयद आजमी (55) और अनीस अहमद तौफीक चौधरी (47) के रूप में हुई है.

सुनसान जगह पर ले गए थे आरोपी

दर्ज केस के मुताबिक पीड़ित अपनी बड़ी बहन के कहने पर परिचित के पास राशन कार्ड में नया नाम जुड़वाने की मदद मांगने गई थी. पीड़ित को चेंबूर में सुनसान जगह ले जाकर दिया वारदात को अंजाम दिया गया कहा अब पुलिस ने को दो गिरफ्तार किया है.

राशन कार्ड में नया नाम जुड़वा दूंगा इस काम को करवाने में आरोपी परिचित शख्स ने मदद करने का आश्वासन दिया था. लेकिन उस दिन महिला के बेटे की तबीयत खराब थी. इसलिए उसने अपनी नाबालिग छोटी बहन को कागजात लेकर भेज दिया, क्योंकि उसकी बड़ी बहन की तबियत ठीक नहीं थी.

नाबालिग को अकेला देखकर उठाया फायदा

शख्स ने नाबालिग को अकेला देखकर इसका फायदा उठाया. शख्स और उसका साथी नाबालिग को छेडा नगर बस स्टॉप के पास सुनसान जगह ले गए और उसके साथ सामूहिक दुराचार किया. साथ ही नाबालिग से दुराचार की वारदात के बाद आरोपियों ने पीड़िता को धमकी दी कि यदि उसने इस बारे में किसी को बताया तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे.

इस घटना से पीड़िता डर गई थी. लेकिन आखिरकार हिम्मत जुटाकर 13 मार्च 2026 को पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई. तिलकनगर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए भारतीय न्याय संहिता की संबंधित पाठओं और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया. पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या इन आरोपियों ने पहले भी इस तरह के झांसे देकर किसी को भी अपना शिकार बनाया है.

महाराष्ट्र की बारामती और राहुरी सीट के उपचुनाव का ऐलान, 23 अप्रैल को वोटिंग

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र की बारामती और राहुरी विधानसभा सीटें पश्चिमी महाराष्ट्र की राजनीति में अहम मानी जाती हैं. इन दोनों सीटों के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है. दोनों ही सीटों पर विधायकों के निधन के बाद यह निर्वाचन क्षेत्र खाली हो गए थे. उपचुनाव के ऐलान के बाद अब राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है. राहुरी सीट बीजेपी के शिवाजी कर्डीले और बारामती सीट अजित पवार के निधन के चलते खाली हुई है.

कब है इन दो सीटों पर चुनाव

महाराष्ट्र की दो सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए 30 मार्च 2026 को अधिसूचना सूचना जारी होगी. 6 अप्रैल नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है और 7 अप्रैल नामांकन पत्रों की जांच की आखिरी तारीख है. 9 अप्रैल 2026 को उम्मीदवारों द्वारा नाम वापस लेने की अंतिम तारीख है. वोटिंग की तारीख 23 अप्रैल और 4 मई 2026 को मतगणना होगी.

अजित पवार की बारामती सीट पर क्या है स्थिति?

बात बारामती की करें तो यह पुणे जिले में स्थित है और राज्य की सबसे हाई-प्रोफाइल सीटों में गिनी जाती है. यह सीट लंबे समय से शरद पवार परिवार का राजनीतिक गढ़ मानी जाती है. यहां से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अजित पवार कई बार विधायक चुने गए. साल 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार गोपीचंद पडलकर को बड़े अंतर से हराया था. उस चुनाव में अजित पवार को 1,95,641 वोट मिले थे, जबकि गोपीचंद पडलकर को 30,376 वोट प्राप्त हुए थे.

इस तरह अजित पवार ने 1,65,265 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की, जो उस चुनाव में राज्य की सबसे बड़ी जीतों में से एक थी. सामाजिक समीकरण की बात करें तो बारामती में मराठा समुदाय सबसे प्रभावशाली माना जाता है. इसके अलावा धनगर, अन्य ओबीसी, दलित और मुस्लिम मतदाता भी यहां अच्छी संख्या में हैं. सहकारी चीनी मिलों, कृषि संस्थानों और सहकारी बैंकों के नेटवर्क के कारण इस क्षेत्र में पवार परिवार का राजनीतिक प्रभाव लंबे समय से मजबूत माना जाता है.

राहुरी विधानसभा सीट पर क्या हैं समीकरण?

वहीं अहिल्यानगर (पुराना नाम-अहमदनगर) जिले की राहुरी विधानसभा सीट मुख्य रूप से ग्रामीण और कृषि प्रधान क्षेत्र है. यहां की राजनीति पर भी मराठा समुदाय का प्रभाव देखा जाता है, हालांकि माली, धनगर जैसे ओबीसी समुदायों के साथ दलित और मुस्लिम वोट भी चुनावी परिणामों को प्रभावित करते हैं. साल 2019 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार प्राजक्त तनपुरे ने जीत दर्ज की थी. उन्हें 1,09,234 वोट मिले थे, जबकि भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार शिवाजी कर्डीले को 85,908 वोट प्राप्त हुए थे. इस चुनाव में तनपुरे ने कर्डीले को 23,212 वोटों के अंतर से हराया था.

इसके बाद 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवाजी कर्डीले ने इस सीट पर वापसी करते हुए जीत दर्ज की. उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार प्राजक्त तनपुरे को लगभग 14,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया. अक्टूबर 2025 में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया. उनके निधन के कारण यह सीट भी रिक्त हो गई और अब यहां उपचुनाव की संभावना को लेकर राजनीतिक दलों की गतिविधियां तेज हो गई हैं.

दोनों सीटों का महत्व क्यों?

पश्चिमी महाराष्ट्र की राजनीति में इन दोनों सीटों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यहां स्थानीय सहकारी संस्थाओं, कृषि अर्थव्यवस्था और जातीय समीकरणों का सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ता है. बारामती को जहां पवार परिवार की मजबूत पकड़ वाली सीट माना जाता है, वहीं राहुरी में अलग-अलग चुनावों में बीजेपी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलता रहा है. ऐसे में दोनों सीटों के खाली होने के बाद संभावित उपचुनाव राज्य की राजनीति के लिए अहम माना जा रहा है।

पुणे में इफ्तार कर रहे लोगों पर हमला, 150 लोगों की भीड़ ने डंडों और पत्थरों से की पिटाई

पुणे।महाराष्ट्र के पुणे में रमजान के दौरान इफ्तार करने पहुंचे लोगों पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है. पुलिस के मुताबिक, ससवड इलाके के पास एक झील के किनारे इफ्तार कर रहे 14 लोगों पर करीब 100 से 150 लोगों के समूह ने हमला कर दिया. इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश जारी है.

कोंढवा निवासी 36 वर्षीय फिरोज सय्यद ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार (14 मार्च) शाम अपने 13 दोस्तों के साथ रोजा खोलने के लिए बोपदेव घाट के पास अस्करवाडी इलाके में झील के किनारे गए थे. वे लोग अपने साथ खाने के पैकेट और अन्य खाद्य सामग्री लेकर पहुंचे थे और इफ्तार की तैयारी कर रहे थे.

सय्यद के अनुसार, जैसे ही उन्होंने खाने के पैकेट खोले, तभी अचानक करीब 100 से 150 लोगों का एक बड़ा समूह वहां पहुंच गया. बताया गया कि ये लोग करीब 100 दोपहिया वाहनों पर आए थे.

डंडों और पत्थरों से हमला

शिकायत के मुताबिक, हमलावरों के पास डंडे, पत्थर, चाबुक और कुछ धारदार हथियार भी थे. उन्होंने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि वे उस जगह पर क्यों इकट्ठा हुए हैं और उनके कपड़ों को लेकर भी सवाल किए. इसके बाद उन्होंने चेतावनी दी कि वे दोबारा उस इलाके में न आएं.

कुछ ही देर में आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और अचानक हमला कर दिया. हमलावर मारपीट करते समय नारे भी लगा रहे थे. स्थिति बिगड़ती देख इफ्तार के लिए आए लोग अपनी जान बचाने के लिए वहां से भागने लगे.

कई लोग घायल, अस्पताल में कराया गया इलाज

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले में कई लोगों को चोटें आईं. फिरोज सय्यद के मुताबिक, कुछ लोगों के सिर, पीठ और पैरों में गंभीर चोट लगी. बाद में सभी लोग कोंढवा के एक अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज किया गया.

सय्यद ने यह भी बताया कि झील के पास इफ्तार करने के लिए और भी लोग मौजूद थे और उनमें से कुछ के साथ भी हमलावरों ने कथित तौर पर मारपीट की.

पुलिस ने शुरू की जांच

रिपोर्ट में बताया गया है कि ससवड पुलिस स्टेशन के निरीक्षक कुमार कदम ने बताया कि इस मामले में 100 से 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है.

उन्होंने कहा कि अब तक तीन संदिग्ध हमलावरों की पहचान कर ली गई है और बाकी लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है. पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हमलावर किसी संगठन से जुड़े थे या नहीं. जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है.

सम्पादकीय

खामेनेई की मौत पर मोदी की चुप्पी के कूटनीतिक मायने

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी ने कई तरह के राजनीतिक और कूटनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं। अमरीका द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद भारत में ईरान के दूतावास ने दुनिया भर की सरकारों से आग्रह किया था कि वे अमेरिका-इजराइल द्वारा तेहरान पर किए गए हमले और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिए जाने की कड़ी निंदा करें। ईरानी दूतावास ने कहा था कि भारत स्थित इस्लामिक गणराज्य, ईरान का दूतावास दुनिया भर की आजाद और स्वतंत्रता की पक्षधर सरकारों से इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करने तथा अराजकता एवं आक्रामकता के सामने खामोश नहीं रहने का आह्वान करता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार की तरफ से निंदा का कोई बयान नहीं आया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करने के बजाए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने दोहराया कि भारत की नीति हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की रही है। सरकार का कहना है कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में बातचीत का रास्ता अपनाना जरूरी है। मोदी की तरफ से अपेक्षित बयान नहीं आने विपक्षी दल भड़क गए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या पर मोदी सरकार की 'चुप्पी' को लेकर कहा कि उनका यह रुख भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है।

आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने याद दिलाया कि कैसे पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था, जो मई 2024 में अजरबैजान में एक हेलीकॉप्टर क्रैश में सात लोगों के साथ मारे गए थे। संजय सिंह ने कहा मोदी जी, आज क्या हुआ? आपने ईरान के प्रेसिडेंट की मौत पर राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। आप ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर एक भी शोक ट्वीट करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, क्योंकि इसके लिए अमेरिका जिम्मेदार है।

भारत का किसी एक देश के लिए यह दृष्टिकोण कोई अपवाद नहीं है, बल्कि भारत की पारंपरिक विदेश नीति के सिद्धांतों के अनुरूप है–जटिल संघर्षों में प्रत्यक्ष गठबंधन से बचना और स्थिरता को प्राथमिकता देना है। भारत की प्रतिक्रिया कई वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया के समान है, जिनमें से कई ने संवेदना व्यक्त करने या सीधे तौर पर निंदा करने से परहेज किया है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 सदस्यों में से बहुत कम देशों ने शोक व्यक्त किया। रूस, चीन, उत्तर कोरिया, इराक, तुर्की, पाकिस्तान और मलेशिया जैसे कुछ देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे निंदनीय बताया, जबकि चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने घटना को स्वीकार्य नहीं कहा। इराक में तीन दिन का शोक घोषित किया गया। हालांकि अधिकांश मुस्लिम बहुल देशों ने औपचारिक रूप से संवेदना व्यक्त नहीं की।

भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर संयम और संवाद की अपील की। साथ ही ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात के सहयोगियों पर किए गए हमलों की आलोचना भी की गई। सरकार का कहना है कि भारत का रुख राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तय किया गया है। गौरतलब है कि खाड़ी देशों से भारत के द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन सरकार ने इसे साम्प्रदायिक रूप देने की बात से दूरी बनाए रखी है। ऐसा नहीं है कि भारत किसी देश के मामले में ऐसा स्टैंड पहली बार लिया हो, यह रुख पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर देखा गया है, जहां भारत ने सीधे बयान देने के बजाय संतुलित कूटनीतिक भाषा का उपयोग किया है।

भारत की अमरीका–ईरान युद्ध पर सतर्क भाषा रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे पूर्व के संकटों से बिल्कुल अलग है, जिनमें भारत ने प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच संबंधों को संतुलित करने का प्रयास किया था। दिलचस्प बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी की फोन कॉल पर यूएई के बयान में कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इसमें संकेत दिया गया था कि प्रधानमंत्री मोदी यूएई द्वारा जवाबी कार्रवाई में उठाए जाने वाले किसी भी कदम का समर्थन करते हैं। बयान में कहा गया था कि भारतीय प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात द्वारा अपनी संप्रभुता की रक्षा, अपनी सुरक्षा की सुरक्षा और अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे सभी उपायों में भारत की एकजुटता व्यक्त की। नेतन्याहू से बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने घटनाक्रम पर भारत की चिंताओं को व्यक्त किया और शीघ्र युद्धविराम का आह्वान किया।

जैव विविधता और टिकाऊ विकास : राजमार्गों पर अब दौड़ेंगी नहीं, भनभनाएंगी मधुमक्खियां

भारत में विकास की कहानी अक्सर सड़कों की लंबाई और गति से मापी जाती है। एक्सप्रेस-वे, चौड़ी होती राष्ट्रीय राजमार्गों की पट्टियां और तेज रफ्तार यातायात- ये सब मिलकर आधुनिक भारत के बुनियादी ढांचे की पहचान बन चुके हैं। हजारों किलोमीटर लंबे राजमार्गों ने व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय संपर्क को नई गति दी है, लेकिन इसके साथ ही प्राकृतिक आवासों की क्षति, पेड़ों की कटाई और जैव-विविधता पर दबाव भी बढ़ा है।

परागणकर्ता, विशेषकर मधुमक्खियां इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित जीवों में शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि अगर मधुमक्खियों की संख्या लगातार घटती रही, तो खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है, क्योंकि बड़ी संख्या में दुनिया की फसलें परागण पर निर्भर हैं। वैश्विक खाद्य उत्पादन का लगभग (एक-तिहाई) हिस्सा सीधे तौर पर मधुमक्खियों और अन्य परागणकों पर निर्भर करता है। एक अध्ययन के अनुसार, परागण करने वाले कीटों की आबादी में काफी गिरावट आई है। इस बात की गंभीरता को देखते हुए देश के राजमार्ग अब केवल तेज रफ्तार यातायात की रेखाओं के समांतर धीरे-धीरे जैव विविधता के जीवित गलियारों में बदलने की दिशा में बढ़ रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे 'मधुमक्खी गलियारे' (बी-कारिडोर) विकसित करने की पहल जैव विविधता के संरक्षण की सोच का संकेत है। इस महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत 2026-27 तक लगभग चालीस लाख पेड़ और फूलदार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसका उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं के लिए सुरक्षित आवास बनाकर पारिस्थितिकी संतुलन को मजबूत करना है। बी-कारिडोर का मतलब है राजमार्गों के किनारे पेड़ों और

फूलों की ऐसी हरित पट्टी, जो मधुमक्खियों के लिए खाद्य और आवास मार्ग का काम करे। यह पहल नीतिगत सोच में एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत है, जहां बुनियादी ढांचा केवल उपयोगिता नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी संतुलन का हिस्सा भी माना जा रहा है।

पहले जहां सड़क किनारे पौधरोपण का उद्देश्य मुख्य रूप से सजावटी या धूल नियंत्रण तक सीमित रहता था, वहीं अब ध्यान स्थानीय पारिस्थितिकी के अनुकूल प्रजातियों के चयन पर दिया जा रहा है। राजमार्गों के किनारे सतत् हरित पट्टियां कई पर्यावरणीय लाभ देती हैं। पेड़-पौधे तापमान को नियंत्रित करते हैं, धूल और प्रदूषण को कम करते हैं तथा मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े पैमाने पर हरित पट्टियां सड़क किनारे सूक्ष्म जलवायु को संतुलित करती हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में तापमान का प्रभाव कम होता है।

दूसरी ओर, मधुमक्खी गलियारे का प्रभाव वास्तव में एक बहुस्तरीय परिवर्तन की संभावना को जन्म देता है, क्योंकि भारत में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग कृषि परिदृश्य से होकर गुजरते हैं। जब इन सड़कों के किनारे परागणकर्ता के अनुकूल पौधों और वृक्षों का रोपण किया जाता है, तो यह केवल हरियाली बढ़ाने का कार्य नहीं करता, बल्कि एक जीवित पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करता है, जो आसपास के खेतों से सीधे जुड़ जाता है।

सबसे पहला प्रभाव कृषि उत्पादकता पर दिखाई देता है। मधुमक्खियां और अन्य परागणकर्ता पौधों के प्रजनन की प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाते हैं, जिससे फसलों में दानों का भराव, फल का आकार, बीज की गुणवत्ता और कुल उपज बढ़ती है। सरसों, सूरजमुखी, सेब, आम, टमाटर, कद्दू वर्गीय सब्जियां और कई तिलहन फसलें ऐसी हैं, जिनकी उत्पादकता परागण की उपलब्धता से सीधे प्रभावित होती है। जब परागणकर्ता लगातार उपलब्ध रहते हैं, तो किसानों को रासायनिक खाद और कीटनाशकों को बढ़ाने की आवश्यकता कम पड़ती है और प्राकृतिक उत्पादकता चक्र मजबूत होता है।

दूसरा महत्त्वपूर्ण पहलू गुणवत्ता का है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि पर्याप्त परागण होने पर फलों का आकार अधिक समान होता है, उनका पोषण मूल्य बेहतर होता है और बाजार में उनकी कीमत भी अधिक मिलती है। इस तरह मधुमक्खी गलियारा अप्रत्यक्ष रूप से किसानों की आय बढ़ाने में मदद कर सकता है। तीसरा आयाम ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। अगर इस पहल को योजनाबद्ध तरीके से मधुमक्खी-पालन से जोड़ा जाए, तो यह दोहरी आय का ढांचा बन सकता है।

राजमार्ग के किनारे विकसित पुष्प संसाधन मधुमक्खियों के लिए निरंतर भोजन उपलब्ध कराते हैं, जिससे शहद उत्पादन बढ़ सकता है। स्थानीय किसान या स्वयं सहायता समूह शहद, मधुमोम और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के माध्यम से अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर सकते हैं। इसके अलावा, यह पहल पारिस्थितिकी की स्थिरता को भी मजबूत करती है। परागणकर्ताओं की संख्या बढ़ने से जैव विविधता में वृद्धि होती है, क्योंकि इनके साथ-साथ पक्षी, तितलियां और अन्य कीट भी आकर्षित होते हैं। इससे खेतों और आसपास के परिदृश्य में प्राकृतिक संतुलन बेहतर होता है और कीट प्रबंधन में भी अप्रत्यक्ष लाभ मिलता है।

व्यापक सामाजिक-आर्थिक महत्त्व के लिहाज से देखें तो मधुमक्खी गलियारा पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ कृषि, ग्रामीण रोजगार और जैव विविधता- इन चारों को जोड़ने वाला एक समेकित ढांचा बन सकता है, जो भविष्य की हरित अवसंरचना की दिशा भी तय करता है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं को निरंतर भोजन और आश्रय उपलब्ध कराना है। इसके लिए राजमार्गों के किनारे ऐसी वनस्पति लगाई जाएगी जिसमें साल भर फूल आते रहें।

इस योजना में नीम, पलाश, जामुन और अन्य स्थानीय फूलदार पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें फूलदार पौधों को लगभग पांच सौ मीटर से एक किलोमीटर की दूरी पर लगाया जाएगा, ताकि मधुमक्खियों की उड़ान दूरी के भीतर लगातार भोजन स्रोत उपलब्ध रहे। हालांकि, मधुमक्खी गलियारे की सफलता केवल पौधे लगाने से तय नहीं होगी। इसकी असली चुनौती दीर्घकालिक रखरखाव में है। सड़क किनारे पौधों की नियमित देखभाल, सिंचाई, चराई से संरक्षण और कीटनाशकों के सीमित उपयोग जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी।

इसके अलावा, स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी महत्त्वपूर्ण है। अगर ग्रामीणों, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय प्रशासन को इस पहल से जोड़ा जाए, तो इसकी स्थिरता और प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। यह पहल दरअसल एक महत्त्वपूर्ण विचार की ओर संकेत करती है। ऐसा विकास प्रारूप, जिसमें प्रकृति और बुनियादी ढांचा, आपस में विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी हों। तेज रफ्तार वाहनों के बीच अगर सड़क किनारे फूलों पर मंडराती मधुमक्खियां दिखाई दें, तो वह दृश्य केवल सुंदर नहीं होगा। वह इस बात का संकेत होगा कि विकास की दिशा में हम एक अधिक संतुलित और टिकाऊ रास्ता चुन रहे हैं।

आने वाले वर्षों में यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा कि मधुमक्खी गलियारे की पहल कितनी व्यापक रूप से लागू होती है और इसके परिणाम कितने सकारात्मक और प्रभावी होते हैं। अगर इसे वैज्ञानिक योजना, स्थानीय ज्ञान और सामुदायिक भागीदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत में हरित बुनियादी ढांचे का एक उदाहरण बन सकता है। इस पहल का असली मूल्य पर्यावरणीय आंकड़ों से आगे उस दृष्टि में है, जिसमें सड़कें केवल शहरों और बाजारों को नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्रों को भी जोड़ती हैं। राजमार्गों की गूंज के बीच मधुमक्खियों की भनभनाहट इस ओर इंगित करती है कि प्रगति का सबसे टिकाऊ रास्ता वही है, जिसमें जीवन के सभी रूपों के लिए जगह हो।

बहस का गिरता स्तर : समाधान का जरिया या सिर्फ ऊर्जा की बर्बादी?

मनुष्य हमेशा एक ही भाव में मुश्किल से ही दिखता है। वह कभी खुश कभी नाखुश है। कभी मुखर तो कभी मौन। कभी चुस्त-दुरुस्त तो कभी आलसी और सुस्त। कभी स्वस्थ तो कभी अस्वस्थ। कभी कंजूस तो कभी खर्चीला। यह इंद्रधनुषी रंग हर जगह देखने को मिल जाते हैं। इसे हर कोई स्वीकार भी कर लेता है।

एक कहावत भी है कि इंसान अपने वातावरण के जैसा ही बन जाता है। रोजाना महसूस हो रही जीवनशैली की उजली-धुंधली चित्रकारी आदमी के मन में बैठकर उसका व्यवहार बनने लगती है।

इसीलिए एक आदत आजकल के लोगों में बहुतायत से देखने को मिल रही है। वह है बात-बात पर बहस और नाहक वाद-विवाद। हर बात पर तकरार का संस्कार सब पर हावी होता जा रहा है।

अगर आभासी दुनिया की बात की जाए, तो वहां भी हालात इसी तरह के हैं। एक ने सोशल मीडिया पर अपनी वाल कुछ लिखा, तो दूसरे को अखर जाता है। तीसरा उस पर खुलेआम अपशब्द लिख देता है। चौथा तो पांच, छह, सात अपनी ही मानसिकता वालों को आवाज देकर बुलाता है। उसके बाद गरमागरम बहस और तानेबाजी चल पड़ती है।

जमीन के जगत में आप रेलगाड़ी में यात्रा कर रहे हों, तो चार लोग बिना बात के ऊल-जलूल बोलने लगते हैं। आभासी दुनिया का ज्ञान उलीचने लगते हैं। चारों तरफ से बहस ही बहस हो रही होती है। सड़क पर, बस, मेले, जुलूस में या किसी सामाजिक समारोह में, हर जगह यह आम बात होती जा रही है। वहीं ऐसे भी लोग हैं जो अपने घर में मौनी साधक बनकर चुप बैठे रहते हैं, लेकिन घर की चारदिवारी से बाहर निकलकर वे लोग भी अपने दिमाग का तरकश लेकर तैयार रहते हैं और फिर बातों के तीर चलाने से जरा भी बाज नहीं आते हैं। यानी हर जगह हर किसी को बहस करना तथा उलझना मजेदार लगने लगा है।

दरअसल, टीवी बहसों ने भी लोगों को झगड़ालू-सा बना दिया है। आजकल चैनलों की बाढ़ इस कदर आ गई है कि कोई व्यक्ति इनकी भाषा और बोली से अछूता नहीं रहा है। परिणाम यह है कि अब हर किसी को औरों से तीखी बात करने में अपने सामने वाले से नोकझोंक करने में ही बहुत रस आने लगा है। न जाने यह कौन-सा तनाव है, उलझन है, बेचैनी है कि लोग बात-बात पर बहस करने लगते हैं। एक दिन तो एक चौराहे पर एक कूरियर वाला संबंधित पते पर गया। उसने पार्सल देते हुए बस इतना ही कहा कि 'ओटीपी' दीजिए। इस पर पार्सल लेने वाले ने कहा कि हां-हां, मुझे भी मालूम हैष्ठ ज्यादा मत बोलो। और बस इसी बात पर देखते ही देखते दोनों की गरमागरम बहस शुरू हो गई और आखिर ओटीपी कूरियर वाले को नहीं मिला। कूरियर वाला पार्सल वापस लेकर चला गया।

इसी तरह, एक कस्बे की बारात में एक नकचढ़े बाराती की पसंद का गीत न बजाने पर इतनी बहस हुई कि गाली-गलौज से नाराज और रूठे हुए बैंडवाले वापस चलते बने। मुहूर्त चला जा रहा था, दूसरे बैंडवाले खाली नहीं थे, तो बाकी बारात ऐसे ही खामोश होकर गई। जरा-सी बात ने यह हालत कर दी। फिर बहस इस बात पर खड़ी हो गई कि यह भी क्या कोई बहस वाली बात थी!

देखा जाए तो बहस करना इतना बुरा नहीं है। कितनी ही बार चिकित्सक से समुचित बात करने के बाद कितने ही लोग अनावश्यक सर्जरी से खुद को बचा पाए हैं। वे चिकित्सीय रिकार्ड के साथ यह सार्वजनिक रूप से बताते भी हैं कि उस संवेदनशील पल में तकरार और झगड़ा न किया होता, तो आठ-दस लाख का आपरेशन हो जाता, जिसकी वास्तव में इतनी भी जरूरत नहीं थी।

घर-परिवार में कोई प्रतिभावान बालक या बालिका अगर बहस न करे, तो अपनी इच्छानुसार करिअर नहीं चुन सकता। रोजमर्रा की जिंदगी में भी देख सकते हैं कि मनमानी करने वाले दुकानदार से बराबर बहस करनी होती है, तब जाकर उचित मूल्य पर मनचाही वस्तु खरीदी जाती है। मगर साथ ही यह भी सच है कि बेकार और बेमतलब की बहस या तकरार का कोई हासिल नहीं होता।

बहस करने वाला अपनी ऊर्जा भी खर्च करता है और बेवकूफ भी साबित होता है। खासतौर पर अगर बहस खुद को बाकी लोगों से बढ़कर दिखाने की भूख न हो। बहस अगर सफाई अभियान के लिए, नशामुक्ति के लिए हो, निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए हो, अपने अवगुण खत्म करने के लिए हों, तब बहस का कोई मतलब समझ में भी आता है। हम बेमानी बहसों में उलझने के बजाय सार्थक मुद्दों और सही समय का चुनाव कर सकते हैं, जिसमें बहस करने के बाद कुछ हासिल हो।

मगर बेवजह की बहस में उलझना हमेशा ही नुकसानदेह ही साबित होता है। महान दार्शनिक सोफोक्लीज अपने अनुयायियों को वाद-विवाद और बहस से बचने का पाठ हमेशा पढ़ाया करते थे। सोफोक्लीज के मुताबिक, बहस का असली कारण अपनी कमजोरी छिपाना और दूसरे को अपराधी या दोषी ठहराना होता है। महात्मा गांधी सही मामले के लिए उपयुक्त बहस के पक्षधर थे। बहस को शुरू करना अंगारों पर चलने के बराबर है, इसलिए जुबान खोलते समय सतर्क और जागरूक रहना चाहिए।

अगर इतिहास के पन्नों को खंगाला जाए तो मुल्ला नसरुद्दीन, अकबर के प्रिय बीरबल और तेनालीराम लचीली बहस करने में माहिर थे। यानी बहस ऐसी हो कि बात-विचार भी हो जाए और बिना विवाद के मसले का हल भी निकल आए। यानी सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

ट्रंप के 'फ्रेंडली टेकओवर' प्लान ने दुनियाभर में मचाया हड़कंप!

वेनेजुएला-ईरान के बाद अब इस देश से अमेरिका करेगा 64 साल पुराना हिसाब बराबर

मिडिल ईस्ट के युद्ध का आज तेरहवां दिन है। लेकिन 2026 ऐसा साल बन चुका है जहाँ एक संकट खत्म नहीं होता कि दूसरा सामने खड़ा मिल जाता है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या अगला मोर्चा क्यूबा बनने वाला है? डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने इस चर्चा को और तेज कर दिया है। ट्रंप इसे 'फ्रेंडली टेकओवर' यानी शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन बता रहे हैं। लेकिन जमीन पर जो हालात बन रहे हैं, वो किसी भी तरह से शांतिपूर्ण नहीं दिखते। जनवरी से अमेरिका ने क्यूबा पर जो आर्थिक घेराबंदी शुरू की है, उसका असर अब साफ दिखने लगा है। पिछले महीने एक चौंकाने वाली बात सामने आई। क्यूबा को एक भी बैरल तेल नहीं मिला। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि कई हवाई जहाज़ क्यूबा में उतरने से बच रहे हैं, क्योंकि वहाँ उन्हें वापस उड़ान भरने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा। अस्पतालों ने भी मजबूरी में गैर-जरूरी ऑपरेशन और इलाज रोक दिए हैं। लेकिन यहाँ एक बड़ा सवाल भी है। पिछले 50 सालों से बार-बार कहा गया कि क्यूबा की सरकार गिरने वाली है, लेकिन हर बार यह भविष्यवाणी गलत साबित हुई। अब जब अमेरिका पहले से ही मिडिल ईस्ट के युद्ध में उलझा हुआ है, तो क्या वाकई वह क्यूबा में नया सैन्य मोर्चा खोल सकता है? आज हम अमेरिका और क्यूबा के रिश्तों का एमआरआई स्कैन करेंगे। ये कब बिगड़ने शुरू हुए, क्या ये हमेशा से ऐसे थे? मौजूदा स्थिति क्या है?

जनवरी में जब क्यूबा की स्थिति पर चर्चा हुई थी, तब मामला वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी से जुड़ा था। उस समय भी क्यूबा की हालत बहुत खराब थी। रोज़ लंबे ब्लैकआउट, चरमराती अर्थव्यवस्था और कई बार पूरे देश का बिजली ग्रिड गिर जाना। सरकार हर बार किसी तरह अस्थायी मरम्मत करके स्थिति संभाल रही थी। लेकिन असली झटका तब लगा जब वेनेजुएला से आने वाला तेल बंद हो गया। यहीं से क्यूबा की ऊर्जा संकट की असली शुरुआत हुई। दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल मैक्सिको क्यूबा का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया था। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाम ने कहा था कि वे पहले से हुए तेल समझौतों को निभाएँगी। उन्होंने इसे मानवीय और संप्रभुता का मामला बताया था। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाम ने कहा था कि वे पहले से हुए तेल समझौतों को निभाएँगी। उन्होंने इसे मानवीय और संप्रभुता का मामला बताया था। लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। अमेरिका की रणनीति साफ दिख रही है। क्यूबा के पास आने वाला हर डॉलर, हर बैरल तेल और हर रास्ता बंद कर देना।

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के एकलौते राष्ट्रपति नहीं हैं जो क्यूबा पर सख्त हो रहे हैं। क्यूबा और अमेरिका के बीच की दुश्मनी कई दशकों पुरानी है। 1898 में अमेरिका ने स्पेन को हराया। जिसके बाद स्पेन ने क्यूबा पर अपने सभी दावों को छोड़ दिया। इसे अमेरिका को सौंप दिया। साल 1902 में क्यूबा स्वतंत्र हुआ और टॉमस इस्ट्राडा पाल्मा इसके पहले राष्ट्रपति बने। लेकिव प्लैट संशोधन के कारण द्वीप अमेरिकी संरक्षण में रहा और इसके कारण अमेरिका को क्यूबाई मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार मिला। कुछ साल बाद क्यूबा की राजनीति फिर उथल-पुथल में फँस गई। राष्ट्रपति इस्ट्राडा को इस्तीफा देना पड़ा और होजे मिगुएल गोमेज़ के नेतृत्व में हुए विद्रोह के बाद अमेरिका ने क्यूबा में हस्तक्षेप कर दिया। इसके बाद 1909 में अमेरिका की निगरानी में चुनाव कराए गए, जिनमें होजे मिगुएल गोमेज़ राष्ट्रपति बने। लेकिन उनका कार्यकाल भी विवादों से घिर गया और उन पर जल्द ही भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे। 1912 में जब क्यूबा में नस्लीय भेदभाव के खिलाफ़ अश्वेत समुदाय ने विरोध प्रदर्शन शुरू किए, तो हालात संभालने के लिए अमेरिकी सेना एक बार फिर क्यूबा में उतरी और आंदोलन को दबाने में मदद की। इसके कुछ साल बाद, 1933 में क्यूबा की राजनीति में एक और बड़ा मोड़ आया। सेना के अफसर फुलगेन्सियो बतिस्ता के नेतृत्व में तख्तापलट हुआ और तत्कालीन राष्ट्रपति जेरार्डो मचाडो को सत्ता से हटा दिया गया। बतिस्ता का शासन लंबे समय तक चला, लेकिन इसके खिलाफ असंतोष बढ़ता गया। 1953 में फ़िदेल कास्त्रो ने बतिस्ता सरकार के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत की, हालांकि यह पहली कोशिश सफल नहीं हो पाई। विदेश नीति के विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और क्यूबा के बीच असली टकराव की शुरुआत 1959 में हुई। उसी साल फ़िदेल कास्त्रो की क्रांति सफल हुई और उन्होंने अमेरिका समर्थित सरकार को सत्ता से हटा दिया। शुरुआत में अमेरिका ने कास्त्रो की नई सरकार को स्वीकार कर लिया था। लेकिन हालात तब बदलने लगे जब क्यूबा ने अमेरिका के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी सोवियत संघ से रिश्ते मजबूत करने शुरू किए और उसके साथ व्यापार बढ़ाया। इसके साथ ही क्यूबा सरकार ने अमेरिकी कंपनियों की संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले लिया और अमेरिकी उत्पादों पर भारी टैक्स लगा दिया। यहीं से दोनों देशों के रिश्तों में गहरी दरार पड़ गई और अमेरिका-क्यूबा दुश्मनी की नींव मजबूत हो गई।

1961 में अमेरिका ने क्यूबा में फ़िदेल कास्त्रो की सरकार गिराने के लिए एक बड़ा सैन्य अभियान चलाया। इस ऑपरेशन को इतिहास में 'बे ऑफ़ पिग्स इनवेज़न' के नाम से जाना जाता है। अमेरिका ने कास्त्रो सरकार के विरोध में मौजूद क्यूबाई विद्रोहियों और निर्वासित लोगों को सैन्य प्रशिक्षण, हथियार और आर्थिक मदद दी। योजना यह थी कि ये विद्रोही क्यूबा में हमला करेंगे और जनता का समर्थन मिलते ही कास्त्रो की सरकार गिर जाएगी। लेकिन यह योजना पूरी तरह फेल हो गई। इस असफलता की एक बड़ी वजह यह भी थी कि अमेरिका की ओर से वादा की गई हवाई सहायता समय पर नहीं पहुंच सकी। उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी थे और इस नाकामी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की छवि को बड़ा झटका लगा। इस घटना के बाद क्यूबा ने अपनी सुरक्षा के लिए सोवियत संघ से नज़दीकियां और बढ़ा लीं। सोवियत संघ को क्यूबा में गुप्त रूप से परमाणु मिसाइलें तैनात करने की अनुमति दे दी गई। अक्टूबर 1962 में अमेरिकी जासूसी विमानों ने इन मिसाइलों का पता लगा लिया। इसके बाद अमेरिका और सोवियत संघ के बीच तनाव अचानक बहुत बढ़ गया और दुनिया परमाणु युद्ध के बेहद करीब पहुंच गई। करीब 13 दिनों तक चले इस संकट के बाद आखिरकार सोवियत नेता निकिता ख्रुश्चेव ने क्यूबा से मिसाइलें हटाने पर सहमति दे दी। क्यूबा के आम लोगों ने विद्रोहियों का साथ नहीं दिया और कास्त्रो की सेना ने बेहद तेजी से जवाबी कार्रवाई की। सिर्फ तीन दिनों के भीतर ही इस पूरे अभियान को कुचल दिया गया। इसके बदले में अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी ने क्यूबा पर हमला न करने का वादा किया और साथ ही तुर्की में तैनात अमेरिकी मिसाइलें हटाने पर भी सहमति दी। पेटागन की बेस स्ट्रक्बर रिपोर्ट और कुछ स्वतंत्र सैन्य विशेषज्ञों के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका के पास दुनिया का सबसे बड़ा विदेशी सैन्य नेटवर्क है। पेंटागन आधिकारिक तौर पर केवल प्रमुख चेसों की गिनती बताता है। इनकी संख्या करीब 200 के आसपास हो सकती है। लेकिन यदि छोटे पैड्स और लॉजिस्टिक ठिकानों को जोड़ लिया जाए तो विदेशों में यह संख्या 600 के पार पहुंच जाती है। ये बेस दुनिया के लगभग 80 देशों और क्षेत्रों में फैले हुए हैं। सबसे ज्यादा बेस जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया में हैं।

इसके बाद अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बने और उनका पहला कार्यकाल शुरू हुआ। ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बराक ओबामा सरकार के ज़्यादातर फैसलों को पलट दिया। उन्होंने क्यूबा पर फिर से सख्ती बढ़ा दी।

क्यूबा की सेना से जुड़ी कंपनियों के साथ व्यापार पर रोक लगा दी गई, अमेरिकी नागरिकों के अकेले क्यूबा यात्रा करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया, और क्रूज़ जहाज़ों के साथ-साथ ज़्यादातर उड़ानों को भी बंद कर दिया गया। 2019 में ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा को फिर से आतंकवाद का समर्थन करने वाला देश घोषित कर दिया। इसी दौरान एक और रहस्यमयी मामला सामने आया। क्यूबा में तैनात अमेरिकी और कनाडाई दूतावास के कई कर्मचारियों को अजीब तरह की स्वास्थ्य समस्याएँ होने लगीं। कुछ लोगों को सुनाई देना कम हो गया, तो कुछ को गंभीर दिमाग़ी परेशानी होने लगी। बाद में इस रहस्यमयी बीमारी को 'हवाना सिंड्रोम' नाम दिया गया। इसके बाद जो बाइडन अमेरिका के राष्ट्रपति बने। बाइडन प्रशासन ने क्यूबा को लेकर कुछ नियमों में आंशिक ढील दी। क्यूबा में रहने वाले परिवारों को अमेरिका से ज़्यादा पैसे भेजने की अनुमति दी गई, क्यूबा के लिए और अधिक उड़ानें शुरू की गईं। लेकिन 2021 में क्यूबा के अंदर हालात फिर बिगड़ गए। खाने-पीने की चीज़ों, दवाओं और बिजली की भारी कमी से परेशान होकर हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। सरकार ने इन प्रदर्शनों को सख्ती से दबाया, कई लोगों को गिरफ्तार किया गया और इंटरनेट सेवाएँ भी बंद कर दी गईं।

डीएम शैलेष कुमार व एसपी अभिनव त्यागी ने किया उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, परीक्षा सकुशल सम्पन्न

डीएम-एसपी की मौजूदगी में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, पारदर्शिता के साथ हुई भर्ती परीक्षा

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने उप निरीक्षक पुलिस भर्ती परीक्षा को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर, जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज ज्ञानपुर तथा विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज ज्ञानपुर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा कक्षों, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था तथा परीक्षार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया का गहन निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता एवं नियमों के अनुरूप सम्पन्न कराई जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता या अव्यवस्था की स्थिति में तत्काल प्रशासन को अवगत कराया जाए।

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों को शांतिपूर्ण माहौल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान संबंधित उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, केंद्र व्यवस्थापक एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रशासन की कड़ी निगरानी एवं पुख्ता व्यवस्थाओं के बीच जनपद में उप निरीक्षक पुलिस भर्ती परीक्षा सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई।।

सम्मान समारोह के साथ एसपी अभिमन्यु मांगलिक को दी गई भावभीनी विदाई

भदोही। पुलिस लाइन सभागार में शनिवार की शाम आयोजित समारोह में जनपद के पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल सहित कई अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों ने एसपी अभिमन्यु मांगलिक के कार्यकाल को याद करते हुए उनके नेतृत्व, ईमानदारी और कार्यकुशलता की सराहना की। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने उन्हें अंगवस्त्रम, प्रशस्ति पत्र और पौधा भेंट कर उनके अगले दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने भदोहीवासियों के स्नेह और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लगभग एक वर्ष दो माह के कार्यकाल में उन्हें अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता का भरपूर सहयोग मिला, जो उनके जीवन की अमूल्य पूंजी रहेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में अपराधियों की गिरफ्तारी और मुकदमों के निस्तारण में भदोही पुलिस ने प्रदेश में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। महिलाओं से संबंधित अपराधों के निस्तारण में भी जनपद ने बेहतर प्रदर्शन किया।

मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने उन्हें समाज के वंचित वर्ग की पीड़ा समझने वाला और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने वाला लोकप्रिय अधिकारी बताया। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने उन्हें कर्तव्यनिष्ठ, न्यायप्रिय, ईमानदार और सत्यानिष्ठ अधिकारी बताया।

अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, उप जिलाधिकारी श्याममणि त्रिपाठी, अरुण गिरि, भान सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रभात राय सहित अन्य अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए अभिमन्यु मांगलिक के कार्यकाल को जनपद के लिए यादगार बताया। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक का कार्यकाल भदोही के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज रहेगा और उनकी कार्यशैली की स्मृतियां लंबे समय तक लोगों के दिलों में बनी रहेंगी।

शबे क़द्र की मुबारक रात में मस्जिदों में इबादत और कब्रिस्तान में फातिहा की अपील

घोसिया, भदोही। पवित्र रमज़ान माह की सबसे बरकतों वाली रात शबे क़द्र के मौके पर नगर घोसिया में लोगों से मस्जिदों में इबादत करने और कब्रिस्तान जाकर अपने मरहूम परिजनों के लिए फातिहा पढ़ने की अपील की जा रही है। इस मुबारक रात को रहमत, बरकत और मगफिरत की रात माना जाता है, इसलिए मुसलमान इस रात को इबादत और दुआ में गुजारते हैं।

इस अवसर पर समाजसेवी डॉ. मोहम्मद जाहिद (सदर रोड, घोसिया निवासी) ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि शबे क़द्र की यह रात बहुत ही मुकद्दस और बरकत वाली रात है। समाजसेवी डॉ. मोहम्मद जाहिद ने कहा कि सभी लोगों को चाहिए कि इस मुबारक रात में मस्जिदों में जाकर इबादत करें और कब्रिस्तान जाकर अपने मरहूम परिजनों की कब्रों पर फातिहा पढ़कर उनकी मगफिरत की दुआ करें।

डॉ. मोहम्मद जाहिद ने बताया कि शबे क़द्र की रात में की गई इबादत का सवाब हजार महीनों की इबादत से बेहतर बताया गया है। इसलिए इस रात को अल्लाह की इबादत, कुरआन शरीफ की तिलावत और दुआ में बिताना चाहिए।

इस दौरान समाजसेवी डॉ. मोहम्मद जाहिद ने यह भी कहा कि इस मुबारक रात में लोग अपने साथ-साथ पूरे देश और समाज में अमन-चैन, भाईचारा और खुशहाली के लिए भी दुआ करें। शबे क़द्र की रात हर मुसलमान के लिए अल्लाह की रहमत और मगफिरत हासिल करने का खास मौका होती है।

सीएमओ ने किया निरीक्षण गंदगी मिलने पर कार्रवाई

भदोही। जनपद में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला के तहत डेरवा में मुख्य चिकित्साधिकारी संतोष कुमार चक ने स्वास्थ्य शिविर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में बड़े-बड़े जंगली घास उगे पाए गए तथा बाथरूम भी गंदा मिला, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई।

लापरवाही पाए जाने पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने फार्मासिस्ट प्रवीण गुप्ता तथा सफाईकर्मी छोटे लाल का मार्च 2026 माह का सात दिन का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को कड़ी चेतावनी देते हुए साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। इसके बाद अपराह्न करीब 4:10 बजे मुख्य चिकित्साधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाल नगर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित पाए गए। मुख्य चिकित्साधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ-सफाई, व्यवस्थाओं और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

नन्हे नौनिहालों संग निकली पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता साइकिल यात्रा

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा रविवार को निकाली गई विशाल साइकिल यात्रा ने जन जागरूकता की नई मिसाल कायम की । इस प्रेरणादायक अभियान का नेतृत्व क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने किया जिनकी सोच और संकल्प ने युवाओं से लेकर समाजसेवियों तक एक मंच पर लाकर पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवन शैली का संदेश दिया।

क्लब के अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने कहा कि बच्चे आने वाले स्वस्थ भारत, स्वच्छ भारत और विकसित भारत के भविष्य हैं। जब तक बच्चे प्रतिदिन योग व्यायाम कोई खेल कूद के साथ साथ आसपास के कार्य साइकिल से या पैदल नहीं करते तब तक भदोही साइकिलिंग क्लब का मिशन अधूरा है। आगे उन्होंने आग्रह किया कि सभी लोग अपने स्वास्थ्य के लिए अपने परिवार की तरक्की के लिए प्रतिदिन आधे घंटे का योग व्यायाम करें।

क्लब के सचिव प्रवीण श्रीवास्तव ने कहा कि शरीर के साथ-साथ पर्यावरण की देखभाल बहुत जरूरी है। प्रतिदिन योग व्यायाम के साथ आसपास के कार्य साइकिल से या पैदल करें जिससे मोटरसाइकिल और कार से निकलने वाले प्रदूषण को भी कम किया जा सके।

गोपीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से शुरू हुई साइकिल यात्रा को वरिष्ठ चिकित्सक एस एस यादव और समाजसेवी बेचन सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

साइकिल यात्रा आरंभ होकर आस पास का भ्रमण करते लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए फूलबाग ज्ञानपुर रोड पर इसका समापन हुआ।

भदोही के नए पुलिस अधीक्षक बने अभिनव त्यागी, संभाला पदभार

भदोही। जनपद भदोही में नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने रविवार को पुलिस अधीक्षक, भदोही के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक कर जनपद की कानून व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी तथा अपराध और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जनपद में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण बनाए रखा जाएगा। नवागत पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ अपराध नियंत्रण, महिलाओं की सुरक्षा तथा संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने पुलिस कर्मियों से ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा जताई।

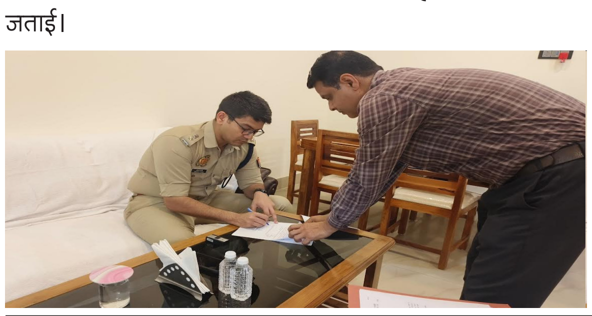

गैस सिलेंडर की जमाखोरी पर सख्ती, अफवाह फैलाने वालों पर सरकार का एक्शन : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राजधानी दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडरों की उपलब्धता को लेकर सामने आ रही खबरों के बीच मुख्यमंत्री र्व्हि उर्ल्ढ़ूने लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं भी गैस सिलेंडरों की जमाखोरी की शिकायत मिलती है तो सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। साथ ही उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को भी चेतावनी दी है कि वे लोगों के बीच डर का माहौल बनाने से बचें।

मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि संकट के समय सभी नागरिकों को जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में गैस सिलेंडरों को छिपाकर रखा जा रहा है या जरूरत से ज्यादा जमा किया जा रहा है, तो सरकार इस पर सख्ती से कार्रवाई करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि देश जब किसी कठिन परिस्थिति से गुजरता है, तब सभी को एकजुट होकर उसका सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर लोगों में डर पैदा कर रहे हैं और उन्हें जरूरत से ज्यादा सिलेंडर जमा करने के लिए उकसा रहे हैं, जो कि गलत है।

रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि इस तरह की अफवाहें फैलाना देशहित के खिलाफ है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे धैर्य रखें और जरूरत के अनुसार ही गैस का उपयोग करें। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे और गैस सप्लाई व्यवस्था फिर से सुचारू रूप से चलने लगेगी।

इधर, राजधानी के कुछ इलाकों में गैस सिलेंडरों की कमी की शिकायतें सामने आ रही हैं। सोनिया विहार की रहने वाली खुशनुमा ने बताया कि बाजार में कुछ लोग गैस सिलेंडर ब्लैक में बेच रहे हैं और इसके लिए करीब 4500 रुपये तक मांगे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतनी ज्यादा कीमत देना संभव नहीं है, इसलिए मजबूरी में घर की छत पर चूल्हा बनाकर खाना बनाने की तैयारी की जा रही है, क्योंकि ईद - उल - फितर भी करीब है।

वहीं एक अन्य निवासी सलीम ने बताया कि पहले जो व्यक्ति उनके लिए गैस सिलेंडर लाकर देता था, उसका फोन अब बंद आ रहा है। ऐसे में उन्हें समझ नहीं आ रहा कि सिलेंडर कब और कैसे मिलेगा। सोशल मीडिया पर भी कई लोग यह शिकायत कर रहे हैं कि गैस बुकिंग कराने के बावजूद समय पर सिलेंडर की डिलीवरी नहीं हो रही है।

सुरियावां में स्वर्णकार संघ का होली मिलन समारोह संपन्न

भदोही। सुरियावां में स्वर्णकार संघ द्वारा एक होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के सम्मानित वरिष्ठजनों और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश देना था।

समारोह में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को होली पर्व की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने इस प्रकार के सामाजिक आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें समाज को एकजुट करने और आपसी संबंधों को मजबूत बनाने की बात कही गई।

कार्यक्रम के दौरान, सभी उपस्थित लोगों ने पारंपरिक तरीके से होली का उत्सव मनाया। इस आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री राकेश वर्मा , जिलाध्यक्ष लोकेश सेठ, कार्यकारिणी अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सेठ , दिनेश सेठ बब्बू, सहित सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे। समारोह का समापन होली की शुभकामनाओं और सामाजिक एकता के संकल्प के साथ हुआ, और सदस्यों ने आपसी प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया!

भटके नाबालिग को पुलिस ने चंद घंटों में परिजनों से मिलाया

भदोही। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत थाना ज्ञानपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घर से भटके एक नाबालिग बच्चे को कुछ ही घंटों में सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

डायल 112 पर सूचना मिलने के बाद पीआरवी टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बच्चे के घर का पता लगाकर उसे सुरक्षित उसके परिवार को सौंप दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर परिजनों ने आभार व्यक्त किया। इस सराहनीय कार्य में पीआरवी 5525 के कमांडर उपनिरीक्षक मेराज अहमद, सब कमांडर मुख्य आरक्षी शिवकुमार यादव तथा पायलट कांस्टेबल चालक अजय यादव शामिल रहे। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

शॉर्ट सर्किट से अशोका पैलेस में लगी आग ग्रामीणों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

गोपीगंज रविवार सुबह लगभग सात बजे क्षेत्र के अशोका पैलेस कठौता में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेज थी कि लॉन में रखे कई विद्युत उपकरण उसकी चपेट में आ गए।

जानकारी के अनुसार आग लगने से फ्रीजर, वातानुकूलन यंत्र, इनवर्टर, दो बैटरियां तथा सजावट में उपयोग होने वाले विद्युत उपकरण जलकर नष्ट हो गए। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार घटना में करीब एक लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।

आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और लॉन में मौजूद अग्निशमन उपकरणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। ग्रामीणों की तत्परता से आग अधिक फैलने से बच गई और बड़ा हादसा टल गया।

घटना की सूचना मिलने पर अग्निशमन दल भी मौके पर पहुंचा और स्थिति का निरीक्षण किया। लॉन पर मौजूद कमलेश सिंह ने बताया कि गांव के लोगों के सामूहिक प्रयास से समय रहते आग बुझा दी गई, अन्यथा आग फैलने से लाखों रुपये का नुकसान हो सकता था।

एनएसएस शिविर में स्वच्छता, योग और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

ज्ञानपुर ।काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई कर योगासन किया। बीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा साक्षी वर्मा ने छात्राओं को दर्पण, गुलदस्ते और रिबन से गुलाब बनाना सिखाया, जिसमें जैनब, गुंजा, मुस्कान, नेहा, रोशनी बानो, निशा, रूही, रागिनी, विधि यादव सहित अन्य ने भाग लिया। पूर्व प्राचार्य डॉ. कमाल अहमद सिद्दीकी, डॉ. मधु विश्वकर्मा और डॉ. संतोष कुमार आर्य के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने चकटोडर गांव में रैली निकालकर 'पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ' का संदेश दिया।

द्वितीय सत्र में आयोजित संगोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण और अनुशासन पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मधु विश्वकर्मा और डॉ. शिरीष कुमार उपाध्याय ने किया।

समाजवादी पार्टी ने कांशीराम की 92वीं जयंती पीडीए दिवस के रूप में मनाई

भदोही।समाजवादी पार्टी भदोही द्वारा जिला कार्यालय (लोहिया ट्रस्ट) कंसापुर, ज्ञानपुर में कांशीराम की 92वीं जयंती पीडीए दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने उनके जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला।

जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव ने कहा कि कांशीराम सामाजिक परिवर्तन के महानायक थे, जिन्होंने दलितों, शोषितों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और उन्हें राजनीतिक रूप से संगठित करने का कार्य किया।

गोष्ठी को विधायक जाहिद बेग, पूर्व मंत्री रामकिशोर बिंद, पूर्व विधायक मधुबाला पासी, अंजनी सरोज, राजेन्द्र दुबे और सरिता बिंद ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन जिलामहासचिव हृदय नारायण प्रजापति ने किया। इस दौरान संतोष यादव, केश नारायण यादव, सलाउद्दीन अंसारी, डॉ. पवन विश्वकर्मा, महेश पाल, दिलीप पासी, गुलाब पाल, मनोज यादव, कमला महतो, पंचलाल सरोज, राजेश राय, लालजीत दुबे, महेन्द्र गोड, सूबेदार विश्वकर्मा, प्रमोद यादव, श्यामधर यादव, अच्छेलाल सरोज, रवि यादव, शिवदीप यादव, अंकिता राजपूत, सौरभ यादव, गामा प्रसाद यादव, संदीप यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार मिश्र पप्पू भी मौजूद रहे।

लालानगर टोल प्लाजा के पास अव्यवस्था से बढ़ रहा हादसों का खतरा

गोपीगंज ।स्थानीय राजमार्ग पर स्थित लालानगर टोल प्लाजा के पास यातायात व्यवस्था की लापरवाही के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। यहां ट्रक और चार पहिया वाहन चालक अक्सर बीच सड़क पर ही वाहन खड़ा कर देते हैं, जिससे आवागमन बाधित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

बताया जाता है कि मौके पर मौजूद यातायात पुलिस कर्मियों और टोल कर्मचारियों की अनदेखी के कारण यह स्थिति लगातार बनी रहती है। कई बार वाहनों के बीच रास्ता रोकने को लेकर वाहन चालकों में कहासुनी और विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है, जिससे मारपीट तक की नौबत आ जाती है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि टोल प्लाजा के आसपास वाहनों को सड़क किनारे व्यवस्थित खड़ा कराया जाए तो दुर्घटनाओं की संभावना काफी कम हो सकती है। नागरिकों ने नवागत पुलिस अधीक्षक का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए पतंजलि के जिला प्रभारी रामजी पाल ने मांग की है कि टोल प्लाजा के पास बीच सड़क पर वाहनों को खड़ा करने पर सख्ती से रोक लगाई जाए और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

ब्राह्मण समाज की गरिमा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं :राजेश दूबे

भदोही। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा यूपी कांग्रेस कोऑर्डिनेशन सेंटर के नोडल पर्सन राजेश दूबे ने कहा कि ब्राह्मण समाज की गरिमा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के समय में ब्राह्मण समाज से जुड़ी कई घटनाओं से समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में पंडित शब्द के प्रयोग को लेकर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई।

राजेश दूबे ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं समाज को आहत करने वाली हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि एसआई परीक्षा के प्रश्नपत्र में ब्राह्मण समाज का अपमान करने के दोषियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

प्रदेश में तड़तड़ाईं पुलिस- एसओजी की गोलियां मुठभेड़ में 25 हजार का शातिर इनामी गिरफ्तार, 3 थानों में दर्ज है मुकदमा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में बलिया जिले के गड़वार क्षेत्र में पुलिस और विशेष कार्य दल (एसओजी) ने शनिवार को देर रात एक मुठभेड़ के बाद 25 हजार रुपए के इनामी एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान अपराधी के बाएं पैर में गोली लगी है। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कृपा शंकर ने रविवार को बताया कि शनिवार को देर रात लगभग सवा 10 बजे मुखबिर की सूचना के आधार पर गड़वार पुलिस और एसओजी ने इनामी अपराधी टेंगर नट को घेरकर गिरफ्तार करने की कोशिश की।

उन्होंने बताया कि पुलिस से घिरता देखकर टेंगर ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोलियां चलाईं। शंकर ने बताया कि पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की जवाबी कार्रवाई में नट के बाएं पैर में गोली लगी और उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि घायल बदमाश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि टेंगर नट पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है और वह एक शातिर अपराधी है। उन्होंने बताया कि उस पर जिले के गड़वार, सुखपुरा तथा नगरा थाना क्षेत्र में चोरी की अनेक घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है। शंकर ने बताया कि पुलिस ने नट के पास से देशी तमंचा और कारतूस बरामद किये हैं।

अयोध्या का कोड वर्ड पास! 19 मार्च को राम मंदिर जाने वालों के लिए बड़ी चेतावनी

नये नियमों के बिना नहीं होंगे दर्शन

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या एक बार फिर ऐतिहासिक पल की गवाह बनने जा रही है। 19 मार्च को हिंदू नववर्ष (वर्ष प्रतिपदा) के अवसर पर राम मंदिर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस उत्सव में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। मंदिर ट्रस्ट ने इसके लिए 7000 विशेष मेहमानों को आमंत्रित किया है।

अगर आप भी इन भाग्यशाली मेहमानों में शामिल हैं, तो घर से निकलने से पहले राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा जारी इन कड़े नियमों को ध्यान से पढ़ लें:

मोबाइल और गैजेट्स पर पूरी तरह पाबंदी ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा कारणों से मंदिर परिसर के भीतर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मेहमानों को अपने फोन बाहर ही रखने होंगे।

हथियार और अंगरक्षक वर्जित परिसर में किसी भी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। सिख समुदाय के सदस्यों के लिए केवल कानूनन मान्य छोटी कृपाण की अनुमति होगी। इसके अलावा, कोई भी मेहमान अपने साथ निजी अंगरक्षक अंदर नहीं ले जा सकेगा।

विशेष क्यूआर कोड वाले पास से मिलेगी एंट्री सभी 7000 मेहमानों के लिए व्यक्तिगत प्रवेश पत्र जारी किए गए हैं। इन कार्ड्स पर एक विशेष कोड (क्यूआर कोड) होगा। यह कार्ड अहस्तांतरणीय है, यानी जिस व्यक्ति के नाम पर कार्ड है, केवल वही प्रवेश कर पाएगा।

नवरात्रि का फलाहार और खास इंतजाम चूंकि इस दिन से चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ हो रहा है, इसलिए ट्रस्ट ने मेहमानों के लिए शुद्ध फलाहार और सात्विक भोजन की विशेष व्यवस्था की है। पानी और अन्य बुनियादी जरूरतों का प्रबंध कार्यक्रम स्थल पर ही रहेगा।

रहने और ठहरने की व्यवस्था बाहर से आने वाले मेहमानों के लिए ट्रस्ट ने अयोध्या के विभिन्न होटलों और अतिथि गृहों में बुकिंग की है। मेहमानों को समय पर सूचित कर दिया जाएगा कि उन्हें किस द्वार से प्रवेश करना है।

शादी का झांसा देकर 6 सालों तक युवती से रेप, गर्भवती हुई तो कराया अबॉर्शन

नेवी में सिलेक्शन के बाद महिला को छोड़ा, युवक गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बलिया में शादी का झांसा देकर एक युवती से कथित तौर पर दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बलिया शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 25 वर्षीय युवती ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि कृष्णा राजभर (24) ने शादी का झांसा देकर छह वर्षों तक उससे शारीरिक संबंध बनाये।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब वह गर्भवती हो गई तो राजभर ने उससे कहा कि अभी वह नौसेना में नौकरी की तैयारी कर रहा है, लिहाजा अभी वह कोई खर्च नहीं उठा सकता है इसलिए वह गर्भपात करा ले। पुलिस के अनुसार, युवती ने आरोप लगाया कि जब राजभर की नौसेना में नौकरी लग गई तो पीड़िता ने युवक के घर जाकर शादी की बात की, जिसपर उसके परिजनों ने उसे अपशब्द कहते हुए घर से भगा दिया और जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली प्रभारी क्षितिज त्रिपाठी ने बताया कि युवती की तहरीर पर राजभर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

फेल्ड एटीएम ट्रांजेक्शन पर एक्सिस बैंक को फटकार कंज्यूमर कोर्ट ने 8 साल बाद दिलाया इंसाफ और मुआवजा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के नागपुर स्थित उपभोक्ता आयोग ने सेवा में कमी के मामले में एक्सिस बैंक को फटकार लगाते हुए उसे एक ग्राहक को राशि वापस करने और 10, 000 रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। ग्राहक को आठ वर्ष पहले एक असफल एटीएम लेनदेन में 5, 000 रुपये का नुकसान हुआ था। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एटीएम में ग्राहक के बैंक खाते से राशि डेबिट होने के बाद नकदी नहीं मिलने को गंभीर मामला बताया। आयोग ने कहा कि ऐसे लेनदेन की जांच करना और ग्राहक को तत्काल राहत देना बैंक की जिम्मेदारी है।

पिछले महीने दिए गए एक फैसले में, आयोग ने पाया कि बैंक ने शिकायतकर्ता की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और लोकपाल प्रक्रिया के माध्यम से निष्पक्ष सुनवाई प्रदान करने में विफल रहा। यह असफल लेनदेन 19 अगस्त, 2018 का है। नागपुर निवासी शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने एक्सिस बैंक के एक एटीएम से 5, 000 रुपये निकालने का प्रयास किया था।

मामले की सुनवाई आयोग के अध्यक्ष सतीश सप्रे और सदस्य मिलिंद केदार ने एकपक्षीय रूप से की, क्योंकि कानूनी नोटिस दिए जाने के बावजूद एक्सिस बैंक आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। आयोग ने टिप्पणी की कि शिकायतकर्ता की ओर से बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद बैंक यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका कि उसने मामले की उचित जांच कराई या एटीएम के निगरानी कैमरे की जांच की।

आयोग ने कहा कि अभिलेखों से स्पष्ट है कि बैंक ने शिकायतकर्ता की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया। आयोग ने यह भी कहा कि नोटिस मिलने के बाद भी बैंक ने कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। आयोग ने माना कि खाते से राशि कटने के बावजूद ग्राहक को नकदी नहीं मिलना बैंक की सेवा में कमी को दर्शाता है। आयोग ने बैंक को निर्देश दिया कि वह शिकायतकर्ता को 5, 000 रुपये लौटाए और मानसिक तथा शारीरिक उत्पीड़न के लिए 10, 000 रुपये मुआवजा दे।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को 50 मीटर तक घसीटा, 3 की मौत, शरीर के उड़े चीथड़े, सड़क पर बिखरे शव के टुकड़े

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में फर्रुखाबाद के नवाबगंज इलाके में एक तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आ जाने से मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि शनिवार देर रात एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक और एक किशोर फर्रुखाबाद की तरफ आ रहे थे।

उन्होंने बताया कि रास्ते में नवाबगंज चौराहे पर मोहम्मदाबाद मार्ग की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें बुरी तरह कुचल दिया और अनियंत्रित होकर एक कार से जा टकराया। सूत्रों ने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि चपेट में आए तीनों के शरीर के चीथड़े उड़ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान पुष्पेंद्र (20), अर्पित यादव (18) और निशु (15) के रूप में हुई है और वे सभी एटा के रहने वाले थे।

परिजनों के अनुसार हादसे के शिकार हुए तीनों लोग शनिवार रात लगभग आठ बजे खेत पर जाने की बात कहकर घर से निकले थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शवों के अवशेषों को एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

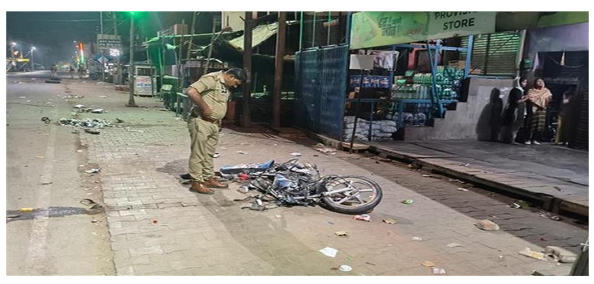

लखनऊ में सिलेंडर कांड : एसपी नेता के रिसॉर्ट में छिपाए थे 88 सिलेंडर

पत्नी चलाती हैं गैस एजेंसी, पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

लखनऊ **(एजेंसी)**। राजधानी में जब आम जनता रसोई गैस के लिए दर-दर भटक रही है, तब रसूखदारों के यहां सिलेंडरों का अवैध स्टॉक जमा किया जा रहा है। जिला प्रशासन की टीम ने शनिवार को मोहान रोड स्थित अभिनंदन रिसॉर्ट पर छापेमारी कर कालाबाजारी के एक बड़े खेल का पर्दाफाश किया है। यह रिसॉर्ट समाजवादी पार्टी के नेता सुरेंद्र कुमार उर्फ सोनू कनौजिया का है।

डीएसओ विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में रिसॉर्ट परिसर से कुल 88 गैस सिलेंडर बरामद किए गए। हैरानी की बात यह है कि सपा नेता की पत्नी मंजू कनौजिया के नाम पर असीम भारत गैस एजेंसी है, जिसका गोदाम रिसॉर्ट से महज 1.5 किमी दूर है। नियमों के मुताबिक सिलेंडरों को सुरक्षित गोदाम में होना चाहिए था, लेकिन उन्हें अवैध रूप से रिसॉर्ट में छिपाकर रखा गया था।

प्रशासन की टीम ने जब मौके पर मौजूद लोगों से कागजात मांगे, तो वे न तो एजेंसी का रिकॉर्ड दिखा सके और न ही गाड़ी के दस्तावेज। इसके बाद काकोरी थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत सपा नेता सोनू कनौजिया, उनकी पत्नी मंजू कनौजिया, मैनेजर मुन्ना, जमील अहमद और साहिल सहित 5 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सोनू कनौजिया मलिहाबाद विधानसभा से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। सिलेंडरों की कालाबाजारी के अलावा उन पर एलडीए की अधिग्रहित जमीन पर अवैध प्लॉटिंग और रिसॉर्ट चलाने के भी आरोप हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि यह गैस एजेंसी हाल ही में करीब 80 लाख रुपए में खरीदी गई थी।

आंध्र प्रदेश के एलुरु में पुलिस ने बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़

अमरावती। आंध्र प्रदेश में नवजात शिशुओं को बेचने का खुलासा होने के बाद पुलिस ने एलुरु जिले में बच्चों की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध शिशु पंजीकरण रिकॉर्ड के सत्यापन के बाद कथित तस्करी नेटवर्क की जांच शुरू की गई।

अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) डी. श्रवण कुमार ने बताया, जांच के दौरान शिशुओं की अवैध बिक्री से जुड़े दो मामले सामने आने के बाद हमने एलुरु जिले में नवजात शिशु तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस के अनुसार पहला मामला मुदिनेपल्ली मंडल के एक दंपति से संबंधित है जिन्होंने कथित तौर पर कृत्रिम गर्भाधान (आईवीएफ) के कई प्रयास विफल होने के बाद एक दिसंबर 2024 को करीब तीन लाख रुपये में एक नवजात बच्ची को खरीदा था।

इस मामले में छह लोगों को आरोपी के तौर पर चिह्नित किया गया। जिनमें माता-पिता व अन्य लोग शामिल हैं। दंपति ने गर्भावस्था का नाटक किया और बिचौलियों के माध्यम से बच्ची खरीदकर उसे अपनी जैविक संतान बताने की कोशिश की जिसके लिए फर्जी दस्तावेज भी तैयार किए गए।

पूछताछ के दौरान नवजात बच्चे को बेचने का एक और मामला सामने आया जिसमें 29 सितंबर, 2024 को एलुरु के एक निजी अस्पताल में कथित तौर पर एक नर्स की मिलीभगत से एक नवजात शिशु को करीब 30, 000 रुपये में बेचा गया था। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं।

इस बीच एलुरु जिला बाल संरक्षण अधिकारी (डीसीपीओ) सी. सूर्या चक्रवेणी ने बताया कि बच्चों के जन्म रिकॉर्ड के सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि 24 सितंबर को एक निजी अस्पताल में जन्मे शिशुओं से जुड़ी कुछ प्रविष्टियां संदिग्ध थीं। चक्रवेणी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ये घटनाएं नवजात शिशुओं की अवैध बिक्री में शामिल एक संगठित नेटवर्क की संभावना की ओर इशारा करती हैं। मामले में जांच शुरू कर दी गई है। चक्रवेणी ने बताया कि अब तक दो शिशुओं के बेच जाने की पुष्टि हुई है लेकिन पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस नेटवर्क से जुड़े ऐसे और भी मामले हैं।

मायावती का सपा पर बड़ा हमला, कहा- पीडीए सिर्फ छलावा, असली पार्टी तो बस बसपा ही है

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) और अन्य विरोधी दलों की कथनी और करनी में भारी अंतर होने का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि सिर्फ बसपा ही बहुजन समाज के हित और उत्थान के लिए काम करने वाली 'असली पार्टी' है। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) को 'छलावा' बताते हुए आरोप लगाया कि सपा और अन्य विरोधी पार्टियां इन वर्गों का वोट लेकर सरकार तो बनाती हैं लेकिन बाद में इन तबकों को 'तिरस्कृत' कर देती हैं। मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती पर रविवार सुबह लखनऊ स्थित बसपा के केंद्रीय शिविर कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ लोगों के साथ उनके चित्र एवं प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के नक्शेकदम पर चलने वाली बसपा 'बहुजन समाज' का हित, कल्याण व उत्थान करने वाली 'असली पार्टी' है जबकि सपा व अन्य विरोधी दलों के कथनी व करनी में भारी अंतर होता है। मायावती ने 'बहुजन समाज' के लोगों से आह्वान किया कि वे बसपा से जुड़कर सच्चे, ईमानदार व 'मिशनरी आंबेडकरवादी' बनें और सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करके बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर द्वारा संविधान में बहुजनों के हित, कल्याण और उत्थान के लिए दिये गये अधिकारों को जमीन पर लागू करें। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने सपा के पीडीए को विशुद्ध 'छलावा' करार देते हुए कहा कि वास्तव में दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का हर स्तर पर शोषण करने वाली पार्टियों में भी खासकर सपा का पीडीए प्रेम विशुद्ध छलावा है।

उन्होंने कहा कि सपा को दलितों पिछड़ों, मुस्लिम समाज के लोगों और उनके महापुरुषों की याद सिर्फ चुनाव के समय ही आती है लेकिन सरकार बन जाने के बाद वह उन्हें अन्य

पार्टियों की ही तरह तिरस्कृत कर देती है। मायावती ने बहुजन समाज के लोगों को सपा, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सावधान रहने की हिदायत देते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि ये पार्टियां बहुजन समाज के लिए काम की कम और नाम की ज्यादा हैं। बसपा प्रमुख ने बहुजन समाज से यह भी अपील की कि वह सांसद और विधायक बनाने का लालच देकर बहुजनों के वोट की ताकत को कमजोर करने वाली पार्टियों से दूर रहें। साथ ही, अपने निजी स्वार्थ के लिए पार्टी से 'दगा' करने वालों से भी उचित दूरी बनाए रखें।

उन्होंने केंद्र की वर्तमान भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार से आग्रह किया कि वह बसपा संस्थापक कांशीराम को 'भारत रत्न' से सम्मानित करने में और विलंब ना करे क्योंकि देश में संविधान की मंशा के अनुसार समता मूलक समाज तैयार करने में कांशीराम का ऐतिहासिक योगदान रहा है। मायावती ने कांशीराम के नाम पर बनाए गए 'मान्यवर श्री कांशीराम उर्दू, अरबी, फारसी विश्वविद्यालय' का नाम बदले जाने की भी आलोचना की और कहा कि ऐसी संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक व द्वेषपूर्ण मानसिकता रखने वाली पार्टियों व इनकी सरकारों से 'बहुजन समाज' का वास्तविक हित व कल्याण की आशा करना 'रेगिस्तान में पानी तलाशने' जैसा असंभव है।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपने शासनकाल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि बसपा 'बातें कम और काम अधिक' की नीति में विश्वास करती है जबकि दूसरी पार्टियां केवल हवाहवाई बातों, लुभावनी घोषणाओं व दावों के साथ-साथ 'अच्छे दिन' के हसीन सपनों के माध्यम से जनता को बरगलाना चाहती हैं।

पार्टी द्वारा जारी बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 12 मंडलों के बसपा कार्यकर्ताओं ने राजधानी लखनऊ में 'मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल' पर पहुंचकर कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की। बयान के अनुसार इसके अलावा मायावती के निर्देश पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छह मंडलों के पार्टी के लोगों ने गौतम बुद्ध नगर में स्थापित 'राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल' में कांशीराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण व उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बयान के मुताबिक बसपा की राजस्थान इकाई द्वारा भरतपुर जिले में आयोजित जोन स्तरीय कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

स्टार्टअप में लागत लेखाकारों की भूमिका पर संगोष्ठी आयोजित

कानपुर। द इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (कानपुर चैप्टर) द्वारा रविवार को हरिहर नाथ शास्त्री भवन, खलासी लाइन, कानपुर में 'स्टार्टअप में लागत लेखाकारों की भूमिका' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कानपुर नगर के लोकसभा सांसद रमेश अवस्थी रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर सचिव सीएमए अजय कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि रमेश अवस्थी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आजादी के अमृत महोत्सव के बाद विकसित भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, स्टैंडअप और मुद्रा जैसी योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ते हुए विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है और इसमें पेशेवर संस्थाओं व लागत लेखाकारों की अहम भूमिका है।

उन्होंने कानपुर चैप्टर की पत्रिका 'स्टार्टअप इंडिया' का विमोचन करते हुए कहा कि इस प्रकार के शोधपूर्ण प्रकाशन युवाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ उन्हें नए रोजगार अवसरों से जोड़ने में सहायक होंगे।

इस अवसर पर अपर श्रम आयुक्त कानपुर सुश्री सौम्या पांडेय ने कहा कि भारत तेजी से 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है और सरकार की विभिन्न योजनाएं विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहायक सिद्ध होंगी।

सीएमए अतुल रस्तोगी (महाप्रबंधक, एएलआईएमसीओ) तथा सीएमए जय गोपाल महाजन (वित्त निदेशक, एडब्ल्यूईआईएल) ने सरकार की नई औद्योगिक नीतियों और स्टार्टअप के अवसरों पर प्रकाश डाला। वहीं सीएमए एम.के. आनंद (सीसीएम) और सीएमए नवनीत कुमार जैन (सीसीएम) ने संस्थान द्वारा उद्यमिता और उद्योग विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

संगोष्ठी में सीएमए राकेश यादव (चेयरमैन, एनआईआरसी), सीएमए मनीष कांडपाल (वाइस चेयरमैन, एनआईआरसी), सीएमए हनी सिंह (सचिव), सीएमए माधुरी कश्यप, सीएमए एस.एन. मित्तल, सीएमए संतोष पंत और सीएमए जीवन चंद्र सहित अन्य वक्ताओं ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की विकसित भारत में बढ़ती भूमिका तथा लागत लेखाकारों के योगदान पर विस्तार से चर्चा की।

अमित बाजपेयी (सहायक निदेशक, एमएसएमई), सीएमए पवन जैसवाल, सीएमए डॉ. राम कुमार मिश्र, विनीत नाहटा एवं पवन ओमर ने भी स्टार्टअप योजनाओं में लागत लेखाकारों की भूमिका, व्यक्तित्व एवं कौशल विकास तथा बैंक व निवेशकों की भागीदारी पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा वरिष्ठ संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया तथा सीएमए उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन सीएमए आशुतोष मिश्रा (संयुक्त सचिव) ने किया। संस्था के चेयरमैन सीएमए ए.के. श्रीवास्तव ने संस्थान की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जबकि सचिव सीएमए अजय कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सीएमए ए.के. भार्गव (पूर्व चेयरमैन), सीएमए आर.के. शुक्ला, सीएमए हरिओम मिश्रा, सीएमए डी.एस. कपूर, सीएमए एस.के. वर्मा, सीएमए आर.के. त्रिवेदी, सीएमए ए.के. अवस्थी, सीएमए रुचिर गुप्ता, सीएमए संदीप गुप्ता, सीएमए जय नारायण, सीए रिचा अग्रवाल, सीए निवेदिता शुक्ला, राजकिशोर, अनुराग शुक्ला सहित महाविद्यालयों के प्राचार्य, प्रवक्ता और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

'अरे, कहां जा रही हैं? क्या हम कार्यक्रम बंद कर दें?'

सभा में अचानक किस पर भड़क गए नीतीश कुमार

पटना। बिहार के बेगूसराय में बीते शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी समृद्धि यात्रा के दौरान आए। उन्होंने करीब 376 करोड़ रुपये की कई विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसी दौरान उनका एक बयान और व्यवहार चर्चा का विषय बन गया।

कार्यक्रम के दौरान कुछ महिलाएं बीच में ही उठकर जाने लगीं। यह देखकर मुख्यमंत्री ने तुरंत उन्हें संबोधित किया और कहा, 'अरे, कहां जा रही हैं? क्या हम कार्यक्रम बंद कर दें? पहले पूरी बात सुनिए, फिर जाइए।' उनका यह अंदाज वहां मौजूद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच गया। भाषण समाप्त होने के बाद नीतीश कुमार ने लोगों से कहा, 'जरा एक मिनट रुकिए।' इसके बाद वे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पास गए, उनका हाथ थामा और दोनों ने मिलकर जनता को अभिवादन किया।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के इस व्यवहार को लेकर लोगों में अलग-अलग तरह की चर्चाएं होने लगीं। कुछ लोग इसे सम्राट चौधरी के प्रति उनके स्नेह के रूप में देख रहे थे, तो कुछ लोग इसे भविष्य की राजनीति से जोड़कर कयास लगाने लगे।

सरफराज अहमद का क्रिकेट को अलविदा
अब संभालेंगे पाकिस्तान टेस्ट टीम के हेड कोच की बड़ी जिम्मेदारी!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के खिलाफ आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के दो प्रमुख टूर्नामेंट के फाइनल में जीत हासिल करने वाले एकमात्र पाकिस्तानी कप्तान विकेटकीपर-बल्लेबाज सरफराज अहमद ने रविवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। सरफराज ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2023 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच के रूप में खेला था। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बयान में संन्यास लेने की घोषणा की। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि सरफराज के संन्यास लेने की औपचारिक घोषणा के बाद अब पीसीबी उन्हें लंबी अवधि के लिए राष्ट्रीय टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त कर सकता है।

पीसीबी ने ऑलराउंडर अजहर महमूद का अनुबंध समाप्त कर दिया था जिसके बाद से टेस्ट टीम के मुख्य कोच का पद खाली पड़ा है। महमूद ने पिछले साल टेस्ट टीम के अंतरिम मुख्य कोच के रूप में कार्य किया था। मई में 39 वर्ष के होने वाले सरफराज को हाल में पाकिस्तान अंडर-19 और शाहीन टीमों का मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर नियुक्त किया गया था। सरफराज ने अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच पिछले साल अक्टूबर ने खेला था।

उन्होंने कहा कि वह अपनी अन्य भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं पाकिस्तान की तीनों प्रारूप में कप्तानी करूंगा तथा 2006 में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप और 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतूंगा। ये मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण रहे हैं।'' सरफराज ने पाकिस्तान की तरफ से 54 टेस्ट, 117 वनडे और 61 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 : प्लेऑफ के लिए प्राइवेट प्लेन से मेक्सिको जाएगा इराक

बगदाद। इराक फुटबॉल संघ के अध्यक्ष अदनान दिरजल ने पुष्टि की है कि इराक की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम फीफा वर्ल्ड कप 2026 के इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में हिस्सा लेने के लिए मेक्सिको जाएगी। यह मुकाबला 31 मार्च को मेक्सिको के मोंटेरे शहर में खेला जाएगा। कठिन परिस्थितियों के बावजूद टीम ने इस अहम मैच के लिए तैयारी शुरू कर दी है।

मध्य पूर्व क्षेत्र में 28 फरवरी से हवाई क्षेत्र बंद है। यह स्थिति अमेरिका और इजराइल के हमलों तथा इसके जवाब में ईरान द्वारा मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद पैदा हुई। इन हालात के कारण यात्रा करना मुश्किल हो गया था, लेकिन इसके बावजूद इराक की टीम प्राइवेट प्लेन से मेक्सिको रवाना होगी। मेक्सिको ने सभी खिलाड़ियों को पहले ही वीजा जारी कर दिए हैं, जिससे टीम की यात्रा संभव हो पाई है।

इराक फुटबॉल संघ के प्रमुख अदनान दिरजल ने बताया कि फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने भी इस मामले में मदद के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि फीफा महासचिव मथियास ग्राफस्ट्रॉम को टीम की यात्रा में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने के लिए कहा गया है। दिरजल ने बताया कि टीम इस सप्ताह के अंत तक प्राइवेट विमान से मेक्सिको के लिए रवाना होगी।

दिरजल ने खिलाड़ियों और स्टाफ से अपील की कि वे सभी कठिन परिस्थितियों के बावजूद केवल एक लक्ष्य पर ध्यान दें। उन्होंने कहा, 'हमारे पास सिर्फ 17 दिन बचे हैं और हमें पूरी तरह मैच की तैयारी पर ध्यान देना है। हमारा एक ही लक्ष्य है – वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करना।' उन्होंने यह भी कहा कि इराक फुटबॉल संघ और कोचिंग स्टाफ खिलाड़ियों को बेहतर माहौल देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं ताकि वे इस महत्वपूर्ण मैच पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर सकें। प्लेऑफ मुकाबले में इराक का सामना बोलीविया या सूरीनाम में से किसी एक टीम से होगा। इस मैच की विजेता टीम को सीधे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेलने का मौका मिलेगा।

इराक की टीम ने आखिरी बार 1986 में फीफा वर्ल्ड कप खेला था। अब टीम के पास 39 साल बाद वर्ल्ड कप में वापसी करने का बड़ा मौका है और खिलाड़ी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इराक ने क्वालिफायर में भी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम ने पांचवें राउंड में संयुक्त अरब अमीरात को 3-2 से हराकर इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में जगह बनाई थी।

फॉर्मूला वन का बड़ा फैसला, ईरान युद्ध के खतरे के बीच बहरीन और सऊदी की रेस कैंसिल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। फॉर्मूला वन और उसकी संचालन संस्था फिया ने कहाहै कि ईरान युद्ध से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण अप्रैल में बहरीन और सऊदी अरब में होने वाली ग्रां प्री रेस नहीं होंगी। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू करने के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इन दोनों देशों पर हमले किए हैं। यह घोषणा रविवार सुबह शंघाई में चीन ग्रां प्री से पहले की गई। एफवन ने कहा, ''पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रही स्थिति के कारण बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री अप्रैल में नहीं होंगी।''

उन्होंने कहा, ''हालांकि कई विकल्पों पर विचार किया गया लेकिन अंततः यह तय किया गया कि अप्रैल में होने वाले रेस के स्थान में बदलाव नहीं होगा।'' एफवन रेस 12 अप्रैल को बहरीन में और 19 अप्रैल को सऊदी अरब के शहर जेद्दा में होनी थी। एफवन के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा, ''हालांकि यह एक मुश्किल फ़ैसला था लेकिन दुर्भाग्य से पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस समय यह सही फैसला है।'' फिया ने कहा कि ये दोनों रेस 'अप्रैल में नहीं होंगी' और इनकी जगह कोई दूसरी रेस आयोजित नहीं की जाएगी। फिया के अध्यक्ष मोहम्मद बेन सुलेयम ने कहा, ''फिया हमेशा हमारे समुदाय और सहकर्मियों की सुरक्षा और भलाई को सबसे पहले रखेगी। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद हमने इस जिम्मेदारी को पूरी तरह से ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है।

ईपीएफओ खाताधारकों के लिए बड़ी खबर
खत्म होगी मुश्किल और जल्द यूपीआई से निकाल सकेंगे अपना पैसा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने करोड़ों सब्सक्राइबर्स के लिए पीएफ निकासी और खाता प्रबंधन की प्रक्रिया को और अधिक सरल और हाई-टेक बनाने जा रहा है। इससे अब आप अपने पुराने खातों को आसानी से मर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा भविष्य में पीएफ का पैसा सीधे आपके यूपीआई आईडी पर ट्रांसफर करने की तैयारी भी चल रही है।

अक्सर नौकरी बदलने के दौरान कर्मचारियों के पास दो अलग-अलग यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) हो जाते हैं, जिससे पीएफ ट्रांसफर में दिक्कत आती है। अब आप ईमेल के जरिए भी पुराने यूएएन को बंद करवा सकते हैं। इसके लिए आपको ल्हिार्जेजिर्ह्रिं ुदन.ग्ह पर एक मेल भेजना होगा, जिसमें अपने वर्तमान और पुराने यूएएन की जानकारी देनी होगी। वेरिफिकेशन के बाद ईपीएफओ पुराने नंबर को ब्लॉक कर देगा। इसके बाद आप मौजूदा यूएएन के जरिए आसानी से पुराने फंड को नए खाते में ट्रांसफर करने का क्लेम कर सकते हैं।

अगर आप ऑनलाइन पोर्टल के जरिए दो पीएफ खातों को जोड़ने की रिक्वेस्ट डालते हैं, तो ध्यान रखें कि इसके लिए आपके वर्तमान एम्प्लॉयर की मंजूरी अनिवार्य है। कंपनी द्वारा आपकी रिक्वेस्ट स्वीकार की जाती है तो आपके ईपीएफओ प्रोसेस को आगे बढ़ाते हुए पुरानी अकाउंट की राशि को नए में शिफ्ट किया जाएगा।

ईपीएफओ के इतिहास में सबसे बड़ा बदलाव अप्रैल 2026 तक देखने को मिल सकता है। केंद्रीय श्रम मंत्रालय एक आधुनिक सिस्टम पर काम कर रहा है, जिसके जरिए लगभग 8 करोड़ सदस्य सीधे यूपीआई का उपयोग करके अपने पीएफ खाते से पैसे निकाल सकेंगे। इस कदम का मुख्य उद्देश्य क्लेम सेटलमेंट के समय को कम करना और निकासी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी व तेज बनाना है।

टी20 विश्व कप के हीरो संजू सैमसन का होगा शाही सम्मान
केरल सरकार आधिकारिक रूप से सम्मानित करेगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत के सूत्रधारों में से एक और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब जीतने वाले संजू सैमसन का केरल सरकार भव्य नागरिक अभिनंदन करने जा रही है। सोमवार को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में एक आधिकारिक समारोह आयोजित किया जाएगा।

राज्य के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने एक बयान में बताया कि यह सम्मान समारोह सेंट्रल स्टेडियम में शाम चार बजे आयोजित किया जाएगा। बयान में बताया गया कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन इस समारोह का उद्घाटन करेंगे तथा खेल मंत्री, मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इसमें शामिल होंगे।

तटीय कस्बे विझिंजम के रहने वाले सैमसन ने शानदार बल्लेबाजी कर टूर्नामेंट में भारत की जीत सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बयान में कहा गया कि यह विश्व कप केरल के इस क्रिकेटर के लिए प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट के बाद जोरदार वापसी का भी प्रतीक रहा। इसमें कहा गया कि खेल विभाग ने उन्हें सम्मानित करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं।

यह सम्मान समारोह संजू की उस मेहनत और अटूट विश्वास का प्रमाण है, जिसके दम पर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की की। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि संजू की यह सफलता केरल के उभरते हुए युवा खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगी।

हवाई यात्रा होगी महंगी : एयर इंडिया और इंडिगो के बाद अब इस एयरलाइन ने भी लगाया फ्यूल सरचार्ज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब हवाई यात्रा पर भी दिखने लगा है। आकासा एयर ने शनिवार को घोषणा की कि वह भी टिकटों पर फ्यूल सरचार्ज लगाएगी। इससे पहले एयर इंडिया और इंडिगो भी यही कदम उठा चुकी हैं।

कंपनी ने बताया कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के कारण यह फैसला लिया गया है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और युद्ध की वजह से ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ी है, जिसका सीधा असर एयरलाइंस के खर्च पर पड़ रहा है।

आकासा एयर के प्रवक्ता के अनुसार, 15 मार्च की रात 12:01 बजे (00:01 बजे) से की जाने वाली सभी नई बुकिंग पर फ्यूल सरचार्ज लागू होगा। यह सरचार्ज ?199 से लेकर ?1, 300 प्रति सेक्टर तक होगा और यह घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की उड़ानों पर लागू रहेगा। एयरलाइन के मुताबिक यह शुल्क हर सेक्टर के हिसाब से अलग-अलग होगा और उड़ान की अवधि यानी दूरी के आधार पर तय किया जाएगा।

आकासा एयर ने अपने बयान में कहा कि ईंधन किसी भी एयरलाइन के संचालन खर्च का बहुत बड़ा हिस्सा होता है। आमतौर पर एटीएफ एयरलाइन के कुल ऑपरेटिंग खर्च का करीब 35इ से 40इ तक होता है। ऐसे में यदि ईंधन की कीमतों में थोड़ी भी बढ़ोतरी होती है तो इसका सीधा असर एयरलाइंस की लागत और टिकट कीमतों पर पड़ता है।

वैश्विक स्तर पर जेट फ्यूल की कीमतें इसलिए बढ़ रही हैं क्योंकि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से ऊर्जा बाजार अस्थिर हो गया है। इस स्थिति ने एयरलाइंस के संचालन को भी मुश्किल बना दिया है। कई उड़ानों को अब प्रतिबंधित हवाई क्षेत्रों से बचने के लिए लंबा रास्ता लेना पड़ रहा है। इससे उड़ानों का समय बढ़ रहा है और ज्यादा ईंधन खर्च हो रहा है।

महंगाई के बीच राहत! गैस के दामों में आई बड़ी गिरावट, आज से लागू होंगी नई दरें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता के बीच उद्योग जगत के लिए राहत भरी खबर आई है। ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अदानी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने अतिरिक्त प्राकृतिक गैस की कीमतों में बड़ी कटौती करने का ऐलान किया है। कंपनी के मुताबिक जो गैस हाल तक करीब 120 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एससीएम) के आसपास मिल रही थी, उसकी कीमत अब घटकर करीब 83 रुपये रह जाएगी। नई दरें 16 मार्च 2026 की सुबह 6 बजे से प्रभावी होंगी।

कंपनी के इस फैसले का सबसे अधिक लाभ बड़े उद्योगों और फैक्ट्रियों को मिलने वाला है। एटीजीएलके नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, जो औद्योगिक उपभोक्ता तय सीमा से अधिक गैस की खपत करते हैं, उनके लिए 'एक्स्ट्रा गैस' के दाम में भारी कमी की गई है।

पहले अतिरिक्त गैस के लिए उद्योगों को 119.90 रुपये प्रति एससीएम की दर से भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब इसे घटाकर 82.95 रुपये प्रति एससीएम कर दिया गया है। यानी प्रति एससीएम लगभग 37 रुपये की कमी की गई है। प्राकृतिक गैस पर निर्भर उद्योगों के लिए यह कटौती उत्पादन लागत कम करने में बड़ी राहत साबित हो सकती है।

इंडियन वेल्स ओपन : मेदवेदेव ने अल्कराज को हराकर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंडियन वेल्स ओपन 2026 के सेमीफाइनल में रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्कराज को 6-3, 7-6(3) से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ ही मेदवेदेव ने अल्कराज की 2026 में चल रही लगातार 16 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

इस जीत के साथ मेदवेदेव 2024 इंडियन वेल्स चैंपियनशिप मैच के बाद पहली बार किर्सीऊइ शृी 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना दुनिया के नंबर-2 खिलाड़ी यानिक सिनर से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को सीधे सेटों में हराया।

मेदवेदेव ने मैच के दौरान बेहद संतुलित और आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और मजबूत सर्विस के दम पर रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। पहले सेट में उन्होंने जल्दी ब्रेक हासिल किया और लगातार दबाव बनाकर 6-3 से सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में अल्कराज ने वापसी की कोशिश की और मुकाबले को कड़ा बना दिया। हालांकि मेदवेदेव ने दबाव के क्षणों में शानदार संयम दिखाया। 4-5 के स्कोर पर दो सेट प्वाइंट बचाते हुए उन्होंने दमदार सर्विस की और मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया। टाई-ब्रेक में मेदवेदेव ने शानदार खेल दिखाते हुए 7-3 से जीत हासिल की और कुल 1 घंटा 37 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया।

मेदवेदेव की जीत आंकड़ों में भी साफ दिखाई दी। उन्होंने बनाए गए दोनों ब्रेक प्वाइंट को भुनाया और पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके अलावा उन्होंने अपनी दूसरी सर्विस पर 74 प्रतिशत अंक जीते, जो मैच में उनकी सफलता की बड़ी वजह रही।

इस जीत के साथ मेदवेदेव ने 2026 सीजन में अपनी 18वीं जीत दर्ज की। यह इस साल उनका तीसरा फाइनल भी होगा।मेदवेदेव इस साल पहले ही ब्रिस्बेन इंटरनेशनल और दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत चुके हैं और अब इंडियन वेल्स का खिताब जीतकर अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे।

दूसरे सेमीफाइनल में यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-2, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ने पूरे मैच में बेहतरीन बेसलाइन गेम दिखाया और अपनी पहली सर्विस पर 83 प्रतिशत अंक जीते।

दुनिया में बजा महिला अरबपतियों का डंका!
सावित्री जिंदल ने रचा इतिहास दौलत के मामले में दिग्गजों को पछाड़ा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। फोर्ब्स 2026 की ताजा रैंकिंग के अनुसार दुनिया में महिला अरबपतियों की संख्या पिछले साल के 406 से बढ़कर अब 481 हो गई है। रिटेल जायंट वॉलमार्ट की एलिस वॉल्टन ने एक बार फिर अपना नंबर-1 का पायदान बरकरार रखा है वहीं भारत की सावित्री जिंदल 39.1 अरब डॉलर (करीब 3.2 लाख करोड़ रुपये) की नेटवर्थ के साथ दुनिया की 7वीं सबसे अमीर महिला बन गई हैं।

जिंदल ग्रुप की सावित्री जिंदल इस सूची में 7वें स्थान पर हैं। स्टील, पावर और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे भारी उद्योगों में जिंदल परिवार की पकड़ ने सावित्री जिंदल की संपत्ति में बड़ा इजाफा किया है। वे न केवल भारत की सबसे अमीर महिला हैं, बल्कि एशिया की आर्थिक शक्ति का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि स्टॉक मार्केट में तेजी, तांबे और एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं की वैश्विक मांग में वृद्धि और तकनीकी विस्तार ने इन महिला अरबपतियों की संपत्ति को नए आयाम दिए हैं। फिडेलिटी की एबिगेल जॉनसन जैसी महिलाओं ने क्रिप्टो और डिजिटल निवेश के जरिए भी अपनी पकड़ मजबूत की है।

'बाहुबली' की देवसेना बनेंगी दुल्हन! अनुष्का शेट्टी की शादी पर आया बड़ा अपडेट

साउथ इंडस्ट्री के गलियारों में इस समय अनुष्का शेट्टी काफी सुर्खियों में बनीं है। लंबे समय से उनके फैंस इंतजार में थे कि एक्ट्रेस शादी कब करेंगी। अब यह सपना उनके सभी फैंस का पूरा होने जा रहा है। इन दिनों एक्ट्रेस काफी चर्चाओं में है और कहा जा रहा है कि 44 साल की अनुष्का शेट्टी अब शादी करने जा रही हैं। लॉन्ग टाइम से अनुष्का शेट्टी अपनी शादी और डेटिंग रूमर्स को लेकर सुर्खियों में रही है। एक समय में उनका नाम एक्टर प्रभास से जोड़ा गया था। लेकिन दोनों ने ही इन खबरों को खारिज कर दिया है और एक-दूसरे को अपना अच्छा दोस्त बनाया है।

अब अनुष्का की शादी को लेकर नई खबरें सामने आ रही हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि उनके होने वाले दूल्हे का नाम प्रभास नहीं बताया जा रहा है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक अनुष्का शेट्टी जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकती हैं। कहा जा रहा है कि उनका परिवार शादी की तैयारियों में जुटा हुआ है और यह समारोह जल्द ही आयोजित किया जा सकता है।

अनुष्का शेट्टी जल्द ही दुल्हानिया बनने जा रही हैं, उनका दुल्हा कोई फिल्मी वर्ल्ड से नहीं है। बल्कि एक्ट्रेस का होने वाला पति एक बिजनेसमैन है। खबरों के मुताबिक अनुष्का शेट्टी के दूल्हेराजा उनके फैमिली फ्रेंड हैं। हालांकि, अभी तक यह सामने नहीं आया है कि वह कौन हैं और क्या करते हैं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं आई है। इस खबर को लेकर फिलहाल अनुष्का शेट्टी ने कोई भी पुष्टि नहीं की है।

गौरतलब है कि एक्ट्रेस लाइमलाइट से दूर हैं और अपने करियर पर ध्यान देती हैं। साउथ लेडी स्टार ने आखिरी बार 2025 में फिल्म घाटी में दमदार भूमिका निभाई थी। इससे पहले अनुष्का मिस शिट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी में नजर आईं थी। एक्ट्रेस ने साउथ में कई ब्लाकबस्टर फिल्मों में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। अनुष्का को सबसे ज्यादा प्रभास स्टारर बाहुबली 2 में देवसेना की भूमिका से स्टारडम मिला है।

हेट स्टोरी 3 के बाद व्यवसाय ने किया जज जरीन खान ने खोला अपनी 'बोल्ड' इमेज का सच

एक समय में जरीन खान ने अपने हॉटनेस से पर्दा पर जादू डाल दिया था। एक्ट्रेस फिल्मों में कई बोल्ड सीन दे चुकी है। अक्सर फिल्मों में बोल्ड सीन्स देने से हीरोइनों की छवि वैसी ही बन जाती है और फिर उन्हें उसी तरह के रोल ऑफर होने लगते हैं। कई बार तो हीरोइनों को इसकी आलोचना तक झेलनी पड़ती है। जरीन खान ने बॉलीवुड में सलमान खान स्टारर फिल्म वीर से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद एक्ट्रेस ने रेडी में आइटम नंबर किया और फिर हेट स्टोरी 3 में किया। हेट स्टोरी 3 के बाद लोगों का एक्ट्रेस के प्रति नजरिया बदल गया।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में जरीन खान ने बताया कि फिल्म हेट स्टोरी 3 में किए गए बोल्ड सीन्स की वजह से उन्हें इंडस्ट्री में काफी जज किया गया। मैमोथ मीडिया एशिया पॉडकास्ट पर पूजा भट्ट से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जब उन्होंने यह फिल्म की थी, तब कई लोग, खासकर फिल्म इंडस्ट्री के लोग, उन्हें अलग नजर से देखने लगे थे। कुछ लोग तो यहां तक कहते थे कि वह अच्छी एक्टिंग नहीं कर सकतीं, इसलिए उन्होंने बोल्ड सीन करने का रास्ता चुना।

एक्ट्रेस ने हेट स्टोरी 3 के बाद अक्सर 2 में नजर आई हैं, हालांकि इस फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान उन्हें इनवाइट तक नहीं किया गया। जब वह फिल्म को कर कर रही थीं, तब उनसे वादा किया गया था कि फिल्म ग्लैमरस होगी, लेकिन हेट स्टोरी 3 की तरह बोल्ड सीन की तरह नहीं होगी। इसको लेकर एक्ट्रेस ने बताया, 'उन्होंने (डायरेक्टर अनंत महादेवन) बहुत ही सधी हुई अंग्रेजी में स्क्रिप्ट सुनाई और कहा, 'हम कोई 'हेट स्टोरी' नहीं बना रहे हैं।

जरीन खान ने आगे बताया, शुरुआत में फिल्म को लेकर कुछ और ही जानकारी दी गई थी। उनसे कहा गया था कि यह एक अलग तरह का 'जॉनर नॉयर' प्रोजेक्ट है। लेकिन जब वह शूटिंग के लिए सेट पर पहुंचीं तो उन्होंने देखा कि लगभग हर दूसरा सीन किस पर खत्म हो रहा था या फिर उन्हें ब्रा जैसे बोल्ड आउटफिट में नजर आना पड़ रहा था। इस पर जरीन ने मेकर्स से साफ कहा कि उन्हें ऐसे सीन करने से समस्या नहीं है, लेकिन शुरुआत में उन्हें फिल्म की कहानी कुछ और बताई गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि शायद पिछली फिल्म हेट स्टोरी 3 की सफलता देखकर ही इस प्रोजेक्ट में इस तरह के सीन जोड़े जा रहे थे।

आगे जरीन खान ने कहा कि, उन्हें पता चला कि वह प्रोड्यूसर्स को कुछ और बताते थे, और उन्हें व व कॉस्ट्यूम डिजाइनर से कुछ और कहते थे। सेट पर बहुत ही ज्यादा दुश्मनी थी। फिर अचानक से प्रोड्यूसर्स उनसे ब्रा सीन्स या किसिंग सीन्स की डिमांड करने लगे क्योंकि उन्होंने पहले भी ऐसी फिल्में की है। एक्ट्रेस ने कहा, 'यह सही नहीं था।'

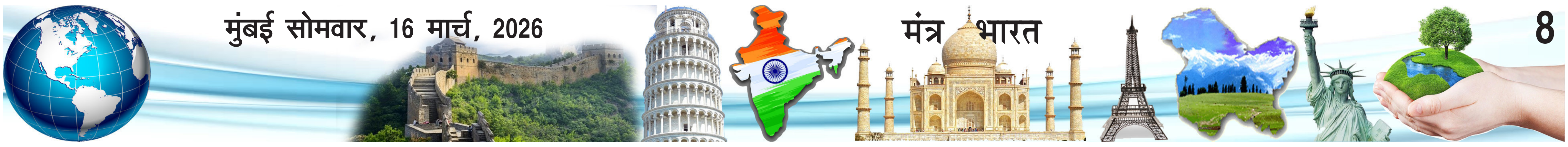

दुबई और अबू धाबी की कई उड़ानें रद्द, पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भारतीय विमानन कंपनियों की एडवाइजरी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने बड़ा फैसला लिया है। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट और इंडिगो ने रविवार को दुबई और अबू धाबी जाने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी हैं। यह फैसला ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष और हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियों की वजह से लिया गया है।

एयर इंडिया ने क्या कहा?

एयर इंडिया समूह ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एयरपोर्ट अधिकारियों ने नए निर्देश जारी किए हैं। इस कारण 15 मार्च की उड़ानों में कटौती करनी पड़ी है। एयर इंडिया ने दिल्ली से दुबई के बीच सिर्फ एक वापसी उड़ान चलाने का फैसला किया है। दुबई के लिए तय पांच उड़ानों में से चार को रद्द कर दिया गया है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दी जानकारी

एयर इंडिया एक्सप्रेस की स्थिति भी ऐसी ही है। इसने दुबई के लिए अपनी छह में से पांच उड़ानें रद्द कर दी हैं। दिल्ली से दुबई के लिए सिर्फ एक वापसी उड़ान चलेगी। इसके अलावा, अबू धाबी जाने वाली सभी पांच उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। हालांकि, एयरलाइन शारजाह से दिल्ली, कन्नूर, कोच्चि, कोझिकोड, मुंबई और तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों के लिए उड़ानें चलाने की योजना बना रही है। साथ ही रस अल खैमाह से कोझिकोड और कोच्चि के लिए भी उड़ानें संचालित होंगी। ये उड़ानें स्लॉट मिलने और समय की स्थिति पर निर्भर करेंगी।

इंडिगो ने रद्द की उड़ानें

इंडिगो ने भी दुबई की अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने कहा कि अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण हवाई क्षेत्र पर पाबंदियां लगी हैं। इंडिगो ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान का स्टेटस जरूर चेक कर लें। एयरलाइन अधिकारियों के साथ मिलकर धीरे-धीरे अपनी सेवाओं को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रही है। इसमें यूरोप के कुछ मार्ग भी शामिल हैं।

जिन यात्रियों की उड़ानें रद्द हुई हैं, वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अगली तारीख के लिए टिकट बुक कर सकते हैं। उनके पास पूरा पैसा वापस (रिफंड) लेने का विकल्प भी है। एयर इंडिया समूह ने यात्रियों को हुई परेशानी के लिए दुख जताया है। उनका कहना है कि वे फंसे हुए लोगों को घर पहुंचाने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं।

स्पाइसजेट ने भी रद्द की उड़ानें

वहीं स्पाइसजेट ने भी एक पोस्ट में बताया है कि पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालातों की वजह से दुबई आने-जाने वाली उड़ानों के संचालन पर और प्रतिबंध लगा दिए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है। एयरलाइन यात्रियों को उनके फोन नंबर और ईमेल पर इसकी जानकारी दे रही है। एयरलाइन ने यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट निकलने से पहले कंपनी की वेबसाइट पर अपनी उड़ान का स्टेटस जरूर चेक कर लें। किसी भी तुरंत मदद के लिए यात्री एयरलाइन के हेल्पलाइन नंबरों पर फोन कर सकते हैं।

टीकट पर 399 रुपये सरचार्ज

इससे पहले शनिवार को एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने करीब 80 उड़ानें संचालित करने की जानकारी दी थी। साथ ही, 12 मार्च से घरेलू और दक्षिण एशियाई उड़ानों पर 399 रुपये का ईंधन सरचार्ज भी लागू कर दिया गया है।

युद्ध की आग में झुलसी बोर्ड परीक्षा

पश्चिम एशिया में 12वीं की परीक्षाएँ रद्द

नई दिल्ली। ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच जारी भीषण संघर्ष का असर अब शिक्षा क्षेत्र पर भी पड़ने लगा है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने आपात घोषणा करते हुए पश्चिम एशिया के प्रभावित देशों में कक्षा 12वीं की शेष सभी बोर्ड परीक्षाएँ रद्द कर दी हैं।

यह निर्णय उन हजारों छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, जो युद्ध जैसी स्थिति के कारण परीक्षा केंद्रों तक पहुँचने में असमर्थ हैं। इस फैसले का असर बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित सीबीएसई से मान्यता प्राप्त 150 से अधिक स्कूलों के छात्रों पर पड़ेगा।

16 मार्च से 10 अप्रैल तक होने वाली परीक्षाएँ रद्द

बोर्ड ने अपने नवीनतम परिपत्र में स्पष्ट किया है कि 16 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच निर्धारित सभी परीक्षाएँ अब आयोजित नहीं की जाएँगी। पहले जिन परीक्षाओं को स्थगित किया गया था, उन्हें भी अब रद्द माना जाएगा।

सीबीएसई ने कहा है कि प्रभावित छात्रों के परिणाम किस आधार पर घोषित किए जाएँगे, इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी।

अधिकारियों से चर्चा के बाद लिया गया निर्णय

सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने बताया कि यह निर्णय परीक्षा कराने की संभावना की समीक्षा करने और प्रभावित देशों के स्कूलों तथा स्थानीय अधिकारियों से प्राप्त सुझावों पर विचार करने के बाद लिया गया है।

इस संबंध में खाड़ी देशों में भारत के राजदूतों तथा दुबई स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास को भी सूचित कर दिया गया है, ताकि आवश्यक समन्वय सुनिश्चित किया जा सके।

पहले कुछ परीक्षाएँ हो चुकी थीं

कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएँ 17 फरवरी 2026 से शुरू हुई थीं। पश्चिम एशिया में 1 मार्च को परीक्षाएँ स्थगित किए जाने से पहले भौतिकी, रसायन विज्ञान, भूगोल और लेखाशास्त्र जैसे कई विषयों की परीक्षाएँ सफलतापूर्वक आयोजित हो चुकी थीं।

इससे पहले सीबीएसई ने 5 मार्च को पश्चिम एशिया में कक्षा 10वीं की शेष सभी परीक्षाएँ भी रद्द कर दी थीं।

हाल के वर्षों में कम ही हुआ ऐसा

हाल के वर्षों में यह बहुत कम अवसरों में से एक है जब सीबीएसई को विदेशों में आयोजित होने वाली परीक्षाएँ रद्द करनी पड़ी हैं। इससे पहले 2020-21 में कोरोना महामारी के दौरान तथा कुछ मामलों में खराब मौसम या स्थानीय आपात स्थिति के कारण ऐसा निर्णय लिया गया था।

हजारों छात्रों पर पड़ेगा असर

इस फैसले का असर खाड़ी देशों में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। इनमें दुबई, अबू धाबी, दोहा और रियाद जैसे प्रमुख केंद्र शामिल हैं।

इस वर्ष सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के लिए कुल 43.7 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें लगभग 25.1 लाख छात्र कक्षा 10वीं और 18.6 लाख छात्र कक्षा 12वीं के हैं।

हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं के गर्भवती होने से मचा हड़कंप, 2 लड़कियां नाबालिग, प्रशासन में सनसनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक छात्रावास में रहने वाली कुछ छात्राओं के गर्भवती पाए जाने के बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले की जानकारी मिलते ही अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि छात्राएं सरकारी छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थीं। इस घटना के सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है।

मामला बीजापुर जिले के गंगालूर स्थित पोटा केबिन छात्रावास का है जहां तीन छात्राएं गर्भवती पाई गई हैं। जानकारी के अनुसार इन छात्राओं का गर्भ करीब पांच महीने का बताया जा रहा है। वहीं हैरान करने वाली जो बात है वो ये है कि गर्भवती छात्राओं में से दो नाबालिग भी हैं। इस घटना के सामने आने के बाद अफरा तफरी मची हुई और कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

वहीं जानकारी ये भी सामने आ रही है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से इन छात्राओं का गर्भवती कार्ड भी बनाया गया है। जिससे पता चलता है कि स्वास्थ्य विभाग को इसके बारे में पता था। वहीं छात्रावास अधीक्षिका ने इस मामले से पल्ला झाड़ते हुए कहा है कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस जवाब के बाद और भी ज्यादा सवाल उठने लगे हैं।

वहीं गंगालूर पोटा केबिन छात्रावास में पढ़ने वाली छात्राओं के गर्भवती होने के मामले से सनसनी है, ये घटना शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है। लिहाजा छात्रावास के स्टाफ और जिम्मेदार अधिकारियों से पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर छात्राएं किस परिस्थिति में गर्भवती हुईं है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के नाजुक माहौल में भी 'नादानी' से बाज नहीं आ रहे राहुल गांधी-मोहन

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि वह पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के नाजुक माहौल में भी नादानी का परिचय देते हुए रसोई गैस को लेकर अनर्गल राजनीति कर रहे हैं। यादव, बुरहानपुर जिले के नेपानगर में जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''पश्चिम एशिया में जारी भीषण युद्ध में तेल के ठिकाने तबाह हो रहे हैं। युद्ध पूरे एशिया के मुहाने पर खड़ा है, लेकिन कांग्रेस ऐसे मुश्किल वक्त में भी रसोई गैस के मुद्दे पर अनर्गल राजनीति कर रही है।'' यादव ने कहा कि घरेलू और वाणिज्यिक उपयोग की रसोई गैस की भारत में कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, ''इस मामले में केवल कांग्रेस को कष्ट है जिसके नेता (रसोई गैस के मुद्दे पर) आंदोलन का

नाटक कर रहे हैं।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबको पता है कि भारत को तेल और गैस के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के नाजुक माहौल में भी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी नादानी से बाज नहीं आ रहे हैं और अनर्गल राजनीति कर रहे हैं। यादव ने कहा कि अगर गांधी इसी तरह राजनीति करते रहे, तो कांग्रेस अगले 50 साल तक सत्ता से दूर रहेगी क्योंकि जनता सब जानती है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने पर भी कांग्रेस नेता कथित रूप से अनर्गल बयान दे रहे थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे भारतीय विद्यार्थियों को सुरक्षित बाहर निकलवाया था। यादव ने कहा, ''कांग्रेस नेता राहुल गांधी को न जाने कहां से ढूंढकर लाए हैं। गांधी लोकतंत्र का जब-तब मजाक बनाते रहते हैं। भारत में चुनौतियां सामने आती हैं, वह विदेश में गुलछर्रे उड़ाते हैं। फिर वह कहते हैं कि लोकसभा में उन्हें बोलने का समय नहीं दिया जाता है।'' उन्होंने कहा कि गांधी जब भी संसद में बोलते हैं, कांग्रेस का बेड़ा गर्क कर देते हैं। मुख्यमंत्री ने जनजातीय सम्मेलन के दौरान बुरहानपुर जिले में कुल 363 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने पुरातत्व विभाग के साथ मिलकर असीरगढ़ के किले के जीर्णोद्धार और किले में पर्यटन सुविधाओं के विकास की घोषणा भी की।

नेपाल में भीषण सड़क दुर्घटना

मनकामना मंदिर से लौट रहे 7 भारतीय तीर्थयात्रियों की मौत, 7 अन्य घायल

काठमांडू। नेपाल के मध्य क्षेत्र में स्थित गंडकी प्रांत से एक अत्यंत हृदयविदारक खबर सामने आई है। शनिवार को भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिर गई, जिससे सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब तीर्थयात्री गोरखा जिले के प्रसिद्ध मनकामना मंदिर में दर्शन करने के बाद वापस लौट रहे थे। बस जैसे ही गोरखा जिले के पहाड़ी रास्ते पर पहुँची, वह अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी।

गोरखा जिले के जिला यातायात पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज आर्यल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं और ये सभी भारतीय नागरिक हैं।जिला पुलिस कार्यालय प्रमुख भरत बहादुर बीके के अनुसार, पीड़ितों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामलिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलारसी (60) के रूप में की गई है।

'काठमांडू पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, सात अन्य घायल यात्रियों को बचा लिया गया है और उनका आंबुखैरेनी के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। 'हिमालयन टाइम्स' के अनुसार, इलेक्ट्रिक बस का चालक बाल-बाल बच गया, जबकि उसका सहायक इस घटना में घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

डोनाल्ड ट्रंप की 'विनाशकारी' चेतावनी!

'बस मजे के लिए' ईरान के खर्ग द्वीप पर फिर करेंगे हमला, वैश्विक तेल बाज़ार में मचा हड़कंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नई चेतावनी जारी की है कि अमेरिका ईरान के तेल-समृद्ध खर्ग द्वीप पर और हमले कर सकता है। उन्होंने कहा कि हाल के हमलों में यह सुविधा पहले ही काफी हद तक नष्ट हो चुकी है, लेकिन इसे 'बस मजे के लिए' कुछ और बार फिर से निशाना बनाया जा सकता है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का शनिवार को तीसरा हफ्ता शुरू हो गया, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर संघर्ष बढ़ने और वैश्विक तेल आपूर्ति में रुकावट आने की आशंकाएं बढ़ गई हैं। एनबीसी न्यूज़ से बात करते हुए, और जैसा कि 'द टाइम्स ऑफ़ इज़राइल' ने बताया है, ट्रंप ने कहा कि हाल के अमेरिकी हवाई हमलों ने ईरान के मुख्य तेल निर्यात टर्मिनल, खर्ग द्वीप के अधिकांश हिस्से को 'पूरी तरह से तबाह' कर दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि हालांकि तेहरान संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत करने को तैयार लग रहा था, लेकिन प्रस्तावित शर्तें वाशिंगटन को मंज़ूर नहीं थीं। उन्होंने कहा, 'शर्तें अभी उतनी अच्छी नहीं हैं,' और साथ ही जोड़ा कि 'हम इसे बस मजे के लिए कुछ और बार निशाना बना सकते हैं।'

खर्ग द्वीप, जो ईरान के दक्षिणी तट से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित है, देश के लगभग 90इ कच्चे तेल के निर्यात को संभालता है। यह सुविधा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज़ जलडमरूमध्य के पास स्थित है, जिससे दुनिया की लगभग पाँचवाँ हिस्सा तेल आपूर्ति गुज़रती है। वहाँ किसी भी तरह की लगातार रुकावट वैश्विक ऊर्जा की कीमतों को तेज़ी से बढ़ा सकती है और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव डाल सकती है। यह ताज़ा चेतावनी उस घटना के बाद आई है जिसे अमेरिकी अधिकारियों ने हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक बताया था। व्हाइट हाउस के अनुसार, अमेरिकी सेना ने खर्ग द्वीप पर सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया, लेकिन जानबूझकर प्रमुख तेल सुविधाओं को नष्ट करने से परहेज़ किया।

'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए ट्रंप ने लिखाः 'कुछ ही देर पहले, मेरे निर्देश पर, यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने मध्य पूर्व के इतिहास में सबसे शक्तिशाली बमबारी हमलों में से एक को अंजाम दिया, और ईरान के 'ताज के गहने' कहे जाने वाले खर्ग द्वीप पर मौजूद हर सैन्य लक्ष्य को पूरी तरह से तबाह कर दिया।' इसके साथ ही, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि वाशिंगटन ने द्वीप के तेल बुनियादी ढांचे पर हमला न करके संयम दिखाया है।

इस्फहान पर नई एयरस्ट्राइक में 15 लोगों की मौत

ईरान ने जवाब में यूएस ठिकानों पर बरसाई मिसाइलें कहा-अब हर अमेरिकी सैनिक निशाने पर

तेहरान। मध्य ईरान के प्रमुख शहर इस्फहान पर रविवार तड़के नए हवाई हमले किए गए, जिसके बाद शहर के ऊपर धुएं के घने गुबार उठते देखे गए। रिपोर्ट के अनुसार हमलों के बाद सामने आए वीडियो में इलाके के ऊपर सैन्य जेट विमानों को नीचे उड़ते हुए देखा गया। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस्फहान प्रांत के शाहिन शहर में हुए एक हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए। बताया जा रहा है कि इस हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़ी इमारतों को निशाना बनाया गया था, और इस इलाके में सेना तथा सुरक्षा स्थलों के पास धमाकों की खबरें मिली हैं। ये घटनाएं ऐसे समय सामने आई हैं जब पश्चिम एशिया में ईरान और उसके विरोधियों के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है।

इन हमलों के जवाब में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4' के तहत मिसाइल और ड्रोन हमलों की नई लहर शुरू की है। सरकारी मीडिया के अनुसार इस अभियान में तरल और ठोस ईंधन वाली मिसाइलें और सटीक हमले करने वाले ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। आईआरजीसी के अनुसार इस बार का मुख्य लक्ष्य अल खरज एयर बेस था, जो सऊदी अरब में स्थित एक महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य अड्डा है। ईरान का दावा है कि इसी बेस से एफ -35 लाइटनिंग 2 और एफ-16 फाइटिंग फाल्कन जैसे लड़ाकू विमान हमलों के लिए उड़ान भर रहे थे।

इजरायल का बेरूत में बड़ा हमला : हिज़्बुल्लाह के एलीट कमांड सेंटर तबाह, मौतों का आंकड़ा 826 पार

यरुशलम। मध्य-पूर्व में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच इजरायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर बड़े हवाई हमले किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन हमलों में हिज़्बुल्लाह की एलीट यूनिट के कमांड सेंटर को निशाना बनाया गया। इजरायली सेना इज़राइल रक्षा बल ने कहा कि उसने हिज़्बुल्लाह की विशेष इकाई रदवान फ़ोर्स के 'कमांड सेंटर' को निशाना बनाया। यह इकाई हिज़्बुल्लाह की सबसे प्रशिक्षित और आक्रामक लड़ाकू इकाइयों में मानी जाती है, जो इजरायल के खिलाफ सीमा पार अभियानों के लिए जानी जाती है।

इजरायल ने बताया कि दक्षिण लेबनान के अल-कत्रानी क्षेत्र में मौजूद हिज़्बुल्लाह के कई रॉकेट लॉन्च साइट्स को भी नष्ट किया गया। इन हमलों का उद्देश्य संगठन की सैन्य क्षमता को कमजोर करना बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिकी-इजरायली सैन्य अभियान के बाद से लेबनान में हिंसा का भारी असर पड़ा है। अब तक कम से कम 826 लोगों की मौत व हजारों लोग घायल हो चुके हैं। कई इलाकों में भारी तबाही की खबरें सामने आई हैं। संघर्ष के बीच लेबनान ने संकेत दिया है कि वह इजरायल के साथ सीधी शांति वार्ता के लिए तैयार हो सकता है। हालांकि लेबनानी संसद के स्पीकर नबीह बेरी ने कहा कि किसी भी बातचीत से पहले सीजफायर जरूरी होगा। रिपोर्ट के अनुसार इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने करीबी सलाहकार रॉन डर्मर को संभावित वार्ता का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया है। वहीं अमेरिका की ओर से जेरेड कुशनेर भी इस प्रक्रिया में भूमिका निभा सकते हैं। बताया जा रहा है कि संभावित वार्ता पेरिस या साइप्रस में हो सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि अगर संघर्ष और बढ़ावा तो इजरायल लेबनान में 2006 के युद्ध के बाद सबसे बड़ा जमीनी सैन्य अभियान शुरू कर सकता है।

पेरिस में आमने-सामने अमेरिका और चीन, ट्रंप की बीजिंग यात्रा की तैयारी

बीजिंग। निया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच अहम व्यापार वार्ता रविवार को पेरिस में शुरू हो गई। इन बातचीतों का नेतृत्व अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट और चीन के उपप्रधानमंत्री हे लिफेंग कर रहे हैं। विश्लेषकों के अनुसार यह बैठक आने वाले दिनों में होने वाली डोनाल्ड ट्रम्प और शी चिनफिंग की व्हाइट हाउस के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप 31 मार्च से 2 अप्रैल के बीच चीन की यात्रा कर सकते हैं। यदि यह यात्रा होती है तो यह ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में उनकी पहली चीन यात्रा होगी। इससे पहले वह 2017 में राष्ट्रपति रहते हुए बीजिंग गए थे। अमेरिका और चीन के बीच पिछले वर्षों में टैरिफ युद्ध के कारण व्यापारिक संबंधों में भारी तनाव रहा है। हालांकि पिछले साल दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई मुलाकात के दौरान दोनों देशों ने एक साल के लिए व्यापार युद्ध पर विराम देने पर सहमति जताई थी। इसके बावजूद कई मुद्दे अब भी विवाद का कारण बने हुए हैं, जिनमें शामिल हैं अमेरिकी टैरिफ जांच, व्यापार असंतुलन तकनीकी प्रतिस्पर्धा, ईरान संकट भी चर्चा का विषय बैठक में मध्य-पूर्व की स्थिति भी चर्चा का विषय बन सकती है, खासकर ईरान से जुड़े संघर्ष और वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताओं पर। ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि दुनिया के कई देश, जिनमें चीन भी शामिल है, होरमुज़ जलसंधि को सुरक्षित और खुला रखने के लिए नौसैनिक सहयोग दें।

जेलेंस्की की पेशकश पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप, बोले- तुम्हारी ड्रोन मदद नहीं चाहिए

कीव **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में गहराते युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती दिख रही है। जेलेंस्की ने हाल ही में अमेरिका और उसके सहयोगियों को ईरानी 'शाहिद' ड्रोन्स को गिराने में मदद की पेशकश की थी। उन्होंने कहा था कि यूक्रेन के पास रूसी हमलों के दौरान इन ड्रोन्स को रोकने का बड़ा अनुभव है, जिसे वे कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों के साथ साझा करने के लिए अपनी टीमें भी भेज चुके हैं।

एनबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने जेलेंस्की के इस प्रस्ताव को सीधे तौर पर खारिज कर दिया। ट्रंप ने तीखे शब्दों में कहा, 'हमें उनकी मदद की जरूरत नहीं है।' उन्होंने आगे यहां तक कह दिया कि जेलेंस्की आखिरी व्यक्ति हैं जिनसे वे मदद मांगना चाहेंगे। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास दुनिया की सबसे बेहतरीन ड्रोन तकनीक है और वे इसे संभालने में सक्षम हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने जेलेंस्की की आलोचना करते हुए उन्हें 'डील करने में मुश्किल' इंसान बताया और कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन तो समझौते के लिए तैयार हैं, लेकिन जेलेंस्की नहीं। जेलेंस्की की इस पेशकश पर ईरान ने भी कड़ा रुख अपनाया है। एक ईरानी राजनेता ने चेतावनी दी है कि यदि यूक्रेन ने ईरानी ड्रोन्स के खिलाफ तकनीक या विशेषज्ञों की मदद दी, तो पूरा यूक्रेन ईरान के लिए एक 'वैध और कानूनी सैन्य लक्ष्य' बन जाएगा। ईरान का आरोप है कि कीव प्रशासन इस युद्ध में सीधे तौर पर अमेरिका और इजराइल का साथ दे रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से दुनिया भर में तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। इस संकट से निपटने के लिए ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लेते हुए रूसी तेल पर लगे कुछ प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटा दिया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)